साल 5 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

2 गज दूरी मास्क जरूरी

मासिक

# कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-9 अप्रैल-2023 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

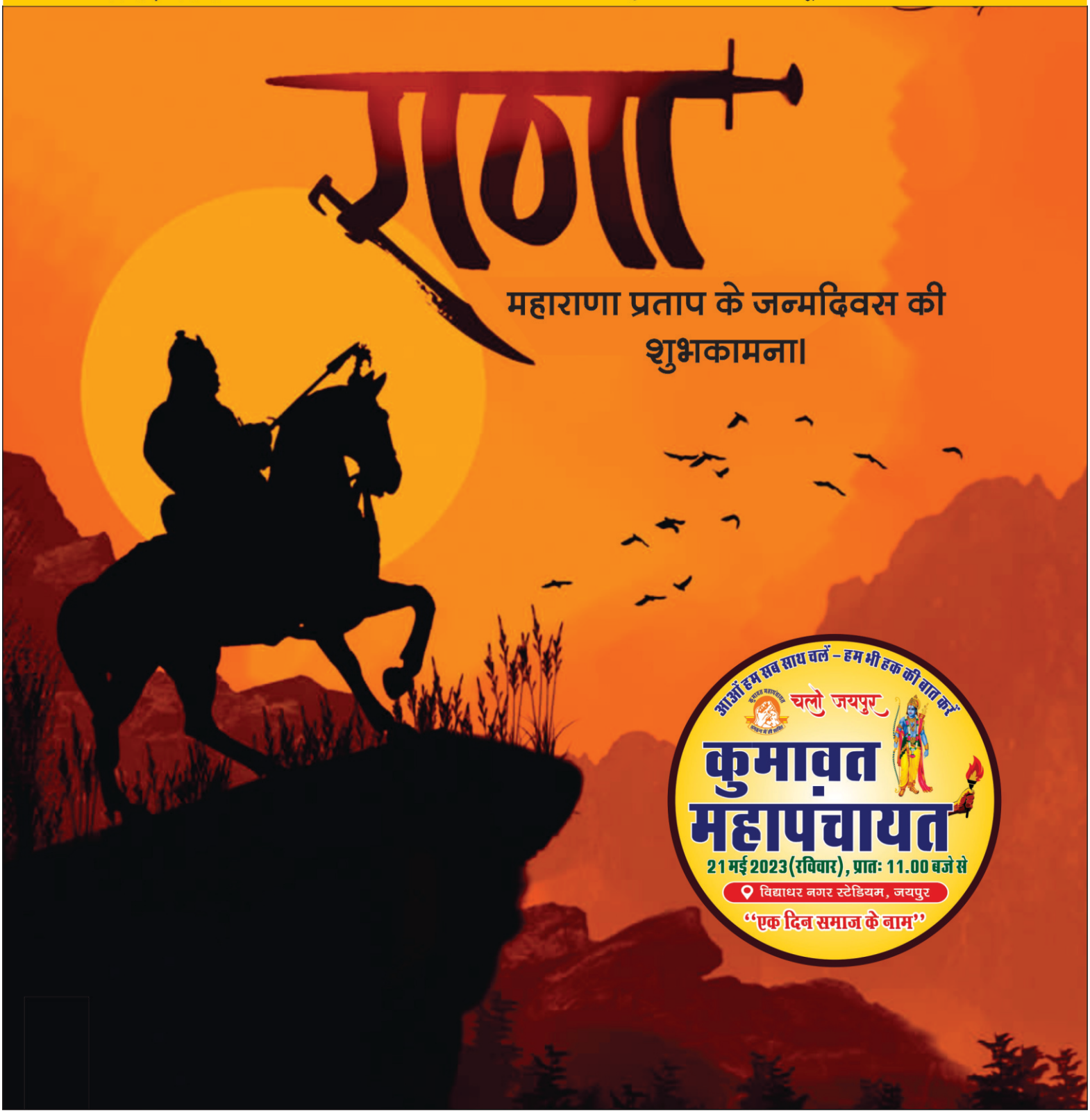

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

# Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

E-mail : rajblocks@yahoo.com
: rajprintlinejpr@gmail.com

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

# श्रीमती अमिता

एवं

# रमेश कुमावत (गैदर)

के विवाह की 40वीं वर्षगांठ

21 अप्रेल, 2023

पर **हार्दिक बधाई !**

शुभेच्छु

फूला देवी-रामदयाल गैदर ( माता-पिता )
नमिता-दिनेश एवं अंजना-सतीश ( भ्राता वधू-भ्राता )
शोभिका-मनीष खंडारिया ( पुत्री-दामाद )
मेघावी-पारितोष ( पुत्रवधू-पुत्र ), अव्यान ( पौत्र )
षष्टि ( मीठी ) व पिनाक ( दोहित्र ) एवं समस्त गैदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर | E 45AB, गार्डन स्ट्रीट, 3rd एवेन्यु, लालबहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर

# कुमावत प्रगति ट्रस्ट

**पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **अध्यक्ष** | : | रमेश कुमावत (गेदर) | **मो. 9414554322** |
| **उपाध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट | **मो. 9887440666** |
| **सचिव** | : | श्रीमती भारती तोंदवाल | **मो. 9414810584** |
| **कोषाध्यक्ष** | : | लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल | **मो. 9549656438** |
| **सदस्य ट्रस्टी** | : | सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) | **मो. 9414994006** |
| | | सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) | **मो. 9829056063** |
| | | हेमचन्द खड़गटा | **मो. 9351682036** |
| | | रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) | **मो. 9414074376** |
| | | जयकिशन सोकिल | **मो. 9829125428** |
| | | चेतन बालोदिया | **मो. 9414052736** |
| | | मोहन लाल कुमावत | **मो. 9887557425** |
| **सलाहकार** | : | गिरधारी लाल सिंघनवाल | **मो. 9414263429** |

**सम्पादक मण्डल :** रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

**व्यवस्थापक मण्डल :** महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

**पत्रिका सहयोगी :**

**छत्तीसगढ़ :** रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

**प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

**सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650**

**विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700**

**नोट 1 :** संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

**नोट 2.** 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

**बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385**

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

**स्वत्वाधिकार :** कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)


## सम्पादकीय

समाज, एक से अधिक परिवारों से मिलकर बनता हैं जिसमें समाज के सभी व्यक्ति सामाजिक रतिरिवाजों, नियमों व परम्पराओं के अनुसार क्रिया-कलाप करते हैं। सामाजिक क्रियाकलाप में आचरण, सामाजिक सुरक्षा और निर्वाह आदि की क्रियाएं होती है। दुनिया के सभी समाज अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए अलग-अलग रश्मों, रीति-रिवाजों का पालन करते हैं। आज भारत में हमारे समाज की विभिन्न नामों से कई सामाजिक संस्थाएं काम कर रही है। इस श्रृंखला में जयपुर, चौमूं, चाकसू, ब्यावर, पुष्कर, मदनगंज-किशनगढ़, थांवला, भंदे बालाजी, कुचामन सिटी, उदयपुर, बूंदी, पुणे, सूरत, तिरुपति, मुंबई, नासिक, शहादा, सांवेर, पाली, चित्तौड़गढ़, सीकर आदि शहरों में संपन्न हुए सामूहिक विवाह सम्मेलनों और प्रतिभा सम्मान समारोहों से समाज के निचले तबके व मध्यमवर्गीय परिवारों को समाजोत्थान का लाभ मिल रहा है। आज हमारे समाज की सैकड़ों खेल प्रतिभाओं ने बैडमिंटन, वेटलिफ्टिंग, जूडो कराटे, ताइक्वांडो, तीरंदाजी, कुश्ती और शतरंज आदि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अनेक मेडल व ट्राफियां जीतकर समाज का नाम रोशन किया है। परिवार व समाज को जो गौरव दिलाया है वह अपने आप में एक सुखद एहसास है। किंतु आज हमारे समाज को एक समग्र राष्ट्रीय नेतृत्व के अभाव में अन्य समाज व राजनैतिक दल भटका रहे हैं। वहीं हमारे समाज के विभिन्न संगठन गुटबाजी व मतभेदों के कारण समाज को सही दिशा देने में विफल रहे हैं। परिणामस्वरूप सामाजिक समझ की कमी के कारण, हमारे मूल संस्कार खंडित होते जा रहे हैं व संस्कृति खंड- खंड में हो रही है। ऐसे तत्व अपने राजनीतिक लाभ, नाम और पद की लालसा में समाज के साथ खिलवाड़ करते जा रहे हैं। कुछ दिनों में अन्य समाज बंधु अपनी अपनी एकता का प्रदर्शन कर राजनीति व सामाजिक लाभ उठाने की कोशिश में लगे हुए हैं। राजपूत समाज इनमें रावणा राजपूत व सभी वंश के राजपूतों ने मिलकर रैली का आयोजन किया। इसी प्रकार ब्राह्मण, जाट, माली, यादव आदि समाजों ने अपने-अपने समाजों में व्याप्त ऊंच-नीच, अमीरी गरीबी और अन्य प्रकार के भेदभाव को भूलकर सरकार के सामने एकता का सफल प्रदर्शन किया है। आज हमारे समाज को भी जागरूक होकर कार्य करना होगा व प्रदर्शन करना होगा। सरकार के सामने समाज की एकता का प्रदर्शन करना चाहिए ताकि हमें राजनीतिक लाभ मिल सके। **'कुमावत महापंचायत'** का **21 मई** को आयोजन किया जा रहा है। यह अच्छा निर्णय है किन्तु कुमावत समाज के सभी लोगों व संस्थाओं से आपसी मतभेद व मनभेद मिटाकर आयोजन हो तो सफल से शक्ति प्रदर्शन हो पाएगा तथा तभी कोई राजनैतिक लाभ मिल पाएगा। यह भी कहना समीचीन है कि समान नाम की जातियों/वर्गों को भी विश्वास में लेकर साथ लेने का प्रयास हो। अलग-अलग नामों से रैली निकालने का अर्थ फूट को जाहिर करना होगा। अपने नाम के आगे कुछ भी लगाओ, शादी ब्याह अपनी इच्छा से करो किंतु राजनीतिक लाभ के लिए हम सभी को एकता पर बल देना होगा।

**- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)**

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।


| | |
|---|---|
| सम्पादकीय | 3 |
| कुमावत इंडिया महिला क्लब | 4 |
| रामप्रकाश व श्री मोहन लाल ट्रस्टी मनोनीत | 4 |
| मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम अंदाज अपना-अपना | 5 |
| कुमावत महापंचायत का आयोजन 21 मई को | 5 |
| प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन | 6 |
| दांतारामगढ़ में कुमावत समाज का सम्मेलन : प्रगतिशील निर्णय लिए गए | 6 |
| सूरतगढ़ में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन | 6 |
| भावना भोभरिया | 6 |
| दा वर्ल्ड जिम ने जीते 16 गोल्ड | 7 |
| दुर्गा कुमावत ने स्टेट पावर लिफ्टिंग में जीता गोल्ड | 7 |
| पवन कुमावत बने क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के प्रदेश खेल मंत्री | 7 |
| नि:शुल्क कंप्यूटर शिक्षा को समर्पित 'प्रोजेक्ट अर्चना' का शुभारंभ | 7 |
| योग क्रांति को अपनाए स्वस्थ बने | 8 |
| टीम चेतन धुंधारिया द्वारा सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर मंथन | 8 |
| संजीव वर्मा सेल्यूट तिरंगा के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त | 8 |
| सामूहिक विवाह सम्पन्न | 9 |
| नेहा कुमावत को Ph.D की उपाधि प्रदान | 9 |
| प्रेम कुमावत, छात्रावास अधीक्षक सम्मानित | 9 |
| निशानेबाजी में प्रेक्षा प्रथम | 9 |
| न्यू मॉडर्न एजुकेशन ग्रुप का वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह | 10 |
| 13वां श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं विशाल भजन संध्या 13 मई को | 10 |
| माँ वैष्णो देवी की 33वीं विशाल पदयात्रा 27 जून 2023 को | 10 |
| गणगौर महोत्सव पुणे में भी आयोजित | 11 |
| बीएसएफ जवान बनवारी लाल का निधन | 11 |
| कुचामन की बेटी की घोड़े पर निकाली बिन्दौरी | 11 |
| रामनवमी जातीय एकता दिवस पर कलश यात्रा | 11 |
| पवन लिंबा कुमावत को दूसरी बार डीजीपी डिस्क अवार्ड | 11 |
| श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति सोडाला, जयपुर के चुनाव 4 जून को | 11 |
| शगुन में 1 रुपया लेकर शादी की | 12 |
| बोधकथा : 'रामजी जबर्दस्ती भी खिलाते हैं' | 12 |
| श्री अन्न योजना | 13 |
| शादी में केवल 1 रुपया और नारियल का शगुन लिया | 15 |
| शिवदासपुरा में बेसहारा बच्चों का बाल आश्रम शुरू | 15 |
| श्री राम निवास कुमावत पुलिस उप अधीक्षक बनाए गए | 15 |
| पानी पर दिखेगा महाराणा प्रताप का शौर्य | 16 |
| राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति ने बनाए जयपुर जिला पदाधिकारी | 16 |
| पियूष कुमावत जयपुर जिला मंत्री मनानीत | 16 |
| रामनिवास घोड़ेला का जयपुर आगमन पर सम्मान | 17 |
| वसुन्धरा राजे को ज्योतिर्गमय पत्रिका भेंट | 17 |
| कविता कुमावत कस्टम जीएसटी इंस्पेकटर बनी | 17 |
| बधाई विज्ञापन | 18 |
| नम्बरों से ज्यादा जरूरी है बच्चों का जीवन | 19 |
| रसोई से... : दाल के दही बडे | 19 |
| सामाजिक रिश्तों में ब्रेकअप | 20 |
| जानकी जानती थी | 20 |
| आलस्य के दुष्परिणाम | 21 |
| आओ संस्कृत सीखे | 21 |
| गायत्री मंत्र : विशेष जानकारी | 22 |
| कुंडली से जानिए शिक्षा और सफलता | 23 |
| विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि | 24 |
| विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची | 25 |
| 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें | 26 |
| विज्ञापन | 27 |
| श्रद्धांजलि विज्ञापन | 28-29 |
| बधाई विज्ञापन | 30 |


## कुमावत इंडिया महिला क्लब

*पुन: शुरुआत 21 अप्रेल से*

कुमावत समाज की कुछ अग्रणीय व दूरदर्शी महिलाओं ने 'कुमावत इंडिया महिला क्लब' बनाया था, जिसमें प्रतिमाह ये महिलाएं आपस में

मिलकर आपसी सहयोग, महिला सशक्तिकरण व नवाचारों पर चर्चा करती थी। कोरोनाकाल में इस क्लब की गतिविधियां बंद हो गई थी।

अब 21 अप्रेल, 2023 से ''कुमावत इंडिया महिला क्लब'' की शुरुआत और अधिक जोश से की गई है। इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष श्री रमेश गैदर को भी इसके शुभारम्भ के लिए बुलाया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से कुमावत इंडिया महिला क्लब पुन: शुरू करने पर हार्दिक शुभकामना। अधिक जानकारी के लिए कृपया श्रीमती भारती तोंदवाल से मो. 9414810584 पर सम्पर्क करें। इसकेबलए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

## राम प्रकाश व श्री मोहन लाल ट्रस्टी मनोनीत

श्री राम प्रकाश कुमावत

श्री मोहनलाल कुमावत

कुमावत प्रगति ट्रस्ट ने श्री राम प्रकाश कुमावत (मारोठिया) एडवोकेट तथा श्री मोहनलाल कुमावत से.नि. लेखाधिकारी राजस्थान को ट्रस्टी मनोनीत किया है। श्री रामप्रकाश पहले भी ट्रस्टी रह चुके हैं तथा ट्रस्ट एवं पत्रिका का उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। इस कारण इन्हें पुन: ट्रस्टी बनाया गया है। श्री मोहन लाल कुमावत द्वारा दीपमोहन वेलफेयर ट्रस्ट गठित कर 75 लाख रुपये की लागत से 'अनाथ बच्चों का बालगृह' बनाया है, इसके ये संस्थापक अध्यक्ष भी हैं।

आशा है इन दोनों ट्रस्टियों से कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को लाभ होगा। दोनों ट्रस्टियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

# मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम 'अंदाज अपना अपना'

■ गूंजे चार सुपर स्टार्स के गीत ■ प्रथम कुमावत की हास्य प्रस्तुति पर लगे ठहाके

बॉलीवुड को सैकड़ों सुपरहिट फिल्मों और गीतों की सौगात देने वाले चार सुपर स्टार्स राजकपूर, राजेन्द्र कुमार, राजेश खन्ना और नदीम-श्रवण की जोड़ी के संगीतकार नदीम को समर्पित कार्यक्रम 'अंदाज अपना अपना' महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में 16 अप्रेल 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख उद्योगपति व समाजसेवी दिनेश गुप्ता मुख्य अतिथि एवं सुनील नाटानी विशिष्ट अतिथि थे तथा अध्यक्षता पंकज भाटिया ने की।

बालोदिया इवेंट्स की ओर से मुख्य आकर्षण मोहन बालोदिया और रश्मि बालोदिया के गाए गीत रहे। बालोदिया ने जहां अपनी आवाज से कभी मोहम्मद रफी, कभी किशोर कुमार तो कभी मुकेश की याद को ताजा किया वहीं अभिनय से सराबोर गाने के अंदाज से राजकपूर, राजेश खन्ना और राजेन्द्र कुमार की अदाओं को मंच पर साकार कर बड़ी संख्या में कार्यक्रम सुनने आए संगीत प्रेमियों को अपने मोहपाश में बांध लिया। **हास्य कलाकार प्रथम कुमावत** ने अपनी हास्य प्रस्तुतियों से लोगों का भरपूर मनोरंजन किया और अपनी मिमिक्री से दर्शकों को बांधे रखा। हास्य कलाकार एम.एस.रंगीला ने भी हास्य प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरी। कार्यक्रम का संचालन **अरूण किम्मतकर व प्रियंका वर्मा** ने किया।

मोहन कुमार बालोदिया के गाए गीत तेरी प्यारी प्यारी सूरत को, छलके तेरी आंखों से, सब कुछ सीखा हमने ना सीखी होशियारी रश्मि बालोदिया के साथ गाए मेरा प्यार भी तू है ये बहार, अंजली वर्मा के साथ ऐसी दीवानगी देखी नहीं कहीं, दुनियां में लोगों को धोखा कभी हो जाता है कुछ ऐसे गीत थे जिसमें मोहन कुमार बालोदिया की आवाज और उनके अंदाज ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

इस अवसर पर '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार से रमेश कुमावत अध्यक्ष, सी.एम. बडीवाल ट्रस्टी, चेतन बालोदिया ट्रस्टी, भारती तोंदवाल ट्रस्टी सचिव, रामप्रकाश मारवाल ट्रस्टी सम्पादक, जयसिंह गुडीवाल सह-सम्पादक, खेमचंद खडगटा उप कोषाध्यक्ष, राकेश कुमावत विधि सलाहकार व शशिकला बालोदिया व्यवस्थापक मंडल सदस्य सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु मौजूद रहे।

# 'कुमावत महापंचायत' का आयोजन 21 मई को

कुमावत महापंचायत रविवार, 21 मई 2023 को प्रात: 11.00 बजे से विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में आयोजित की जायेगी। समाज की मुख्य मांगे : राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर के राजनैतिक दलों में सत्ता एवं संगठन में संख्यानुपात में भागीदारी व सत्ता में आने पर मंत्रीमंडल में उचित स्थान दिया जाना, प्रदेश की धरोहरों, स्मारकों पर इनके वास्तुकारों के नाम लिखकर हमारे महापुरूषों को सम्मान दिया जावे, स्थापत्य कला बोर्ड का गठन कर उसके अधीन स्थापत्य यूनिवर्सिटी का गठन किया जावे, प्रत्येक जिले में कुमावत समाज को छात्रावास एवं सामाजिक भवन के लिए भूमि आवंटन किया जावे, ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने के साथ ही वर्गीकरण कर कुमावत समाज को 7 प्रतिशत हिस्सेदारी दी जावे, शिल्प एवं माटी कला बोर्ड में शिल्प कला से जुड़े कामगारों के लिए अलग से बजट बना योजनाएं लागू की जावे, समाज के अधिवक्ताओं को हाईकोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता एवं जिला न्यायालय में लोक अभियोजक नियुक्ति करे, जातीय गणना करवाई जावे जिसमें हर जाति समाज की सही स्थिति ज्ञात हो सके।

कुमावत महापंचायत के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन 19 मई 2023 को जयपुर में किया गया जो लगातार 21 मई तक कार्यरत रहेगा। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। जिनमें भीवाराम दम्भीवाल, पन्नालाल सिरसवा, छोटूराम बड़ीवाल, मुकेश वर्मा, ताराचंद सिरोहिया, चेतन धुन्धारिया, गौरीशंकर मारवाल, कैलाश सिरोहिया प्रधान, मुकेश बड़ीवाल, अमरचंद कुदीवाल, इत्यादि गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे। विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों एवं राजनीति से जुड़े व्यक्तियों ने एकजुट होकर **21 मई को जयपुर चलो** का आह्वान किया है। कुमावत महापंचायत में लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना है।

# प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

**भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर** द्वारा **गांव गांव चलो, घर घर चलो** कार्यक्रम के तहत 8 अप्रैल 2023 को हरियाणा सुहागन लॉन, महेश नगर, जयपुर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने बताया कि समारोह में ओबीसी वर्ग की 103 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया और कहा कि देश के विकास में ओबीसी समाज का बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार, भारत की पहली सरकार है जिसने ओबीसी समाज के लिए संगठित विकास की कल्पना की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद आज ओबीसी समाज एकजुट होकर राष्ट्र विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

**समाज की प्रतिभाओं में** बाबूलाल मारोठिया, पृथ्वीराज कुमावत, हरीनारायण कुमावत, पवन कुमावत, चेतन बालोदिया, भारती तोंदवाल, मोहन कुमार बालोदिया, रमेश गैदर, राकेश कुमावत एडवोकेट, राकेश आसीवाल, डॉ. ओ.पी. बालोदिया, डॉ; आकाश मरोडिया, पी.एस. कुमावत व आदित्य कुमावत को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों व उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

अन्य पिछड़ा वर्ग के समाजों के प्रतिनिधियों ने ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना व जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर बडी संख्या में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

# दांतारामगढ़ में कुमावत समाज का सम्मेलन : प्रगतिशील निर्णय लिए गए

दांतारामगढ, सीकर में समाज के सम्मेलन का सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **सुरेन्द्र लाम्बा एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय व राजस्थान पीसीसी सदस्य थे।** अध्यक्षता दांता नगर पालिका चैयरमैन श्रीमति विमला कुमावत, विशिष्ट अतिथि BJP प्रदेश मंत्री मधु कुमावत, कुमावत छात्रावास ट्रस्ट सीकर अध्यक्ष राधेश्याम काम्या, दांता प्रधान सुशीला चेजारा, अन्तरराष्ट्रीय जादूगर आंचल कुमावत, एडवोकेट राजेश चेजारा, सेवानिवृत कॉलेज व्याख्याता आर के चेजारा, डॉ खेताराम, जिला परिषद सदस्य गजानंद पारमुवाल, भामाशाह पार्षद चर्तुभुज तुनवाल, सुभाष भारतीय, अजय मारवाल, नवीन सिरस्वा, शंकर उज्जीवाल, राजेन्द्र जेठीवाल, एडवोकेट हीरालाल कारगवाल आदि ने भाग लिया। इस अवसर पर आगामी विधानसभा चुनाव में 36 बिरादरी के सहयोग से समाज का प्रत्याशी जिताने, **दातांरामगढ** में समाज के भवन व छात्रावास के निर्माण, कुरीतियों को त्यागने, सामुहिक विवाह सम्मेलन में शादी करने, समाज के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करवाने आदि प्रस्ताव पारित हुए।

# सूरतगढ़ में छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

## छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा पर ध्यान दे व अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़े - डूंगर राम गेदर

सूरतगढ़ श्री गुरु शरण छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ अध्यक्ष के कार्यालय के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। एनएसयूआई द्वारा रखे गए इस समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल, शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्यमंत्री डूंगरराम गेदर, एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक चौधरी ने आदि गणमान्य लोगो ने भाग लिया।

शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष डूंगरराम गेदर ने कहा कि छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा की तरफ ध्यान देकर अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ना चाहिए तथा लोगों को सरकार की योजना का अधिकतम लाभ लेना चाहिए।

कार्यक्रम के समापन पर छात्रसंघ अध्यक्ष साहिल गेदर, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील सिहाग, छात्रसंघ सचिव गीता मेघवाल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

**भावना भोभरिया** का राजस्थान न्यायिक सेवा (RJS) में न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में चयन होने व जोधपुर में पदस्थापित होने पर हार्दिक बधाई।

# दा वर्ल्ड जिम ने जीते 16 गोल्ड

1-2 अप्रेल 2023 को दो दिवसीय **जयपुर जिला सब जुनियर जुनियर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में** दा वर्ल्ड जिम, झोटवाडा में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में दा वर्ल्ड जिम के खिलाड़ियों ने 16 गोल्ड मेडल व 4 सिल्वर मेडल जीतकर टीम चेम्पियनशिप जीती। इस जिम ने दस साल में पहली बार इतने मेडल जीते है। धौलपुर में 11वीं राज्य स्तरीय सब जूनियर एवं जूनियर पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 15-16 अप्रेल को सम्पन्न हुई जिसमें जयपुर की टीम ने 3 गोल्ड मैडल, 4 सिल्वर, 5 ब्रॉज मेडल जीते। टीम मैनेजर श्री पवन कुमावत थे।

पवन कुमावत एवं सभी विजेता खिलाडियों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई दी है।

## दुर्गा कुमावत ने स्टेट पावर लिफ्टिंग में जीता गोल्ड

पुर उपनगर। भीलवाड़ा के मंगलपुरा गांव की बेटी दुर्गा कुमावत पिता कन्हैयालाल कुमावत ने रविवार को दौलपुर में आयोजित स्टेट पावर लिफ्टिंग जूनियर कैटेगरी 43 किलो भार वर्ग में 222 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता साथ ही उसने स्टेट के रिकॉर्ड तोड़ नए रिकॉर्ड बनाए दुर्गा ने इस जीत का श्रेय अपने पिता कन्हैयालाल वह कोच पवन विश्नोई को दिया। अब दुर्गा राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए रांची झारखंड में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दुर्गा कुमावत को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

## पवन कुमावत बने क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के प्रदेश खेल मंत्री

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति ने प्रदेश खेल मंत्री के पद पर श्री पवन कुमावत (होदकास्या) निवासी झोटवाड़ा, जयपुर प्रदेश खेलमंत्री के पद पर नियुक्त किया है। श्री पवन की कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, ईमानदारी तथा कार्यशैली को देखकर यह नियुक्ति की गई है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई दी है।

# नि:शुल्क कंप्यूटर शिक्षा को समर्पित 'प्रोजेक्ट अर्चना' का शुभारंभ

10 अप्रैल 2023 को कंप्यूटर साक्षरता अभियान के 14 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नि:शुल्क कंप्यूटर बेसिक शिक्षा के लिए प्रोजेक्ट 'अर्चना' का शुभारंभ डॉ अर्चना शर्मा (चेयरपर्सन, समाज कल्याण बोर्ड) के द्वारा कंप्यूटर ज्ञान, टोंक फाटक गली नंबर 1 पर किया गया। इस अवसर पर कृष्णा कुमावत, नरेश धमुनिया, कोमल कुमावत, जतिन कुमावत, विजय कुमावत, महेंद्र कुमावत, प्रमोद कुमावत आदि लाभान्वित विद्यार्थी मौजूद रहे।

मनोज कुमार कुमावत ने 9 अप्रैल 2009 में कंप्यूटर साक्षरता अभियान की शुरुआत की थी, इसमें निर्धन व कमजोर वर्ग के लोगों को कंप्यूटर नि:शुल्क सिखाने का कार्य किया जा रहा था। संयोगवश वर्ष 2009 में भी कंप्यूटर साक्षरता अभियान की शुरुआत डॉ अर्चना शर्मा के कर कमलों द्वारा ही की गई थी।

वर्ष दर वर्ष इस प्रोजेक्ट में हजारों लोगों को लाभान्वित किया गया है और हर बार इसमें नए प्रावधान जोड़कर जरूरतमंद व्यक्तियों को लाभ मिले ऐसे प्रावधान जोडे गये है।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनोज कुमार कुमावत ने अपने माता-पिता की स्मृति में इसे समर्पित किया है और बताया कि इस प्रोजेक्ट में क्षेत्र के सभी लोगों को नि:शुल्क कंप्यूटर बेसिक शिक्षा दी जाएगी। रजिस्ट्रेशन के लिए स्थानीय वोटर कार्ड, दसवीं कक्षा की अंकतालिका, कंप्यूटर सीखने की आत्मशक्ति, आयु 17 से 35 वर्ष तथा फोटो देनी होगी।

वर्तमान में स्पोकन इंग्लिश भी फ्री पढ़ाई जा रही है, इस सामाजिक कार्य के लिए रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ, गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट और कंप्यूटर ज्ञान सोसाइटी ने सहयोग करने की पहल की है।अधिक जानकारी प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनोज कुमार कुमावत से 8239888858 पर ले सकते हैं।

# योग क्रांति को अपनाए स्वस्थ बने

पतंजलि योग समिति, किशनगढ़ तहसील सह प्रभारी व योग शिक्षक श्री प्रभुदयाल तुंगरिया द्वारा मदनगंज-किशनगढ़ में नि:शुल्क योग-प्राणायाम क्लास दे रहे है। इससे अनेक लोगो को असाध्य रोगो में लाभ हुआ है।

उन्होंने बताया कि कुमावत समाज की एक महिला ने शिविर में भाग लिया वह नींद नही आने से परेशान थी। रात को दो-दो गोली लेने के बाद 3 बजे नींद आती थी, धड़कने तेज होने से पसीने-पसीने हो जाती, घबराहट, चिड़चिड़ापन, उदासी तथा कमजोरी बनी रहती थी। वह डॉक्टरों से दवाई लेते-लेते परेशान हो चुकी थी। डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दे दी व 5 लाख रुपए का खर्चा बता दिया। इसके बाद हेमराज कुण्डलवाल ने प्रभुदयाल जी से संपर्क किया तो नियमित योग क्लास में आने के लिये प्रेरित किया। रोगी ने नियमित योग-प्राणायाम क्लास में आ कर 15 दिन अभ्यास किया तथा तत्पश्चात बताया कि योग से उसे 11 बजे नींद आ जाती थी। नियमित क्लास में 40 दिनों के अभ्यास के बाद रोगी का कहना था कि उसकी सोच व विचारो में बदलाव हुआ, भोजन में रुचि बढ़ी, हलका महसूस कर रही थी, वजन कम हो गया तथा 90% ठीक होना महसूस किया।

केमिकलयुक्त खान-पान से आजकल बचना मुश्किल है। इसका प्रभाव कम करने के लिये सुबह योग-प्राणायाम करना ही उपाय है। ऐसे लोग क्लास में आ रहे है जिन्हे अस्थमा, एलर्जी, घुटने का दर्द, थायराइड, सिर दर्द, सर्वाइकल पेन, हाथ पावं में कंपन, मांसपेशियों में कमजोरी, थकावट ,गठिया, एडी की हड्डी बढ़ना आदि से परेशानी है।

प्रभुदयाल कुमावत का कहना है कि सुबह की बेला में परमपिता परमेश्वर की गोद मे बैठकर उनकी कृपा से बरसती ऑक्सीजन रूपी औषधि का नियमित योग-प्राणायाम के साथ लाभ लेकर स्वस्थ बने।

प्रभु दयाल कुमावत 12 सालों से सेवा दे रहे है तथा पतंजलि से जुड़े हुए करीब 15 साल हो गए है। आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में व्यवस्थापक मण्डल सदस्य का दायित्व भी निभा रहे हैं।

अभी योग प्राणायाम की दो जगह क्लास ले रहे है:

**सुबह 5:45 से 7 बजे तक :** डाक बंगला पुराने बस स्टैंड के सामने, अजमेर रोड़, किशनगढ़

**शाम बजे से 7 बजे तक :** फतहलाल नगर गार्डन 6, किशनगढ़

लाभान्वित लोगो का और विवरण आगामी अंकों में देखे।

# टीम चेतन धुंधारिया द्वारा सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर मंथन

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा वैशाली नगर स्थित होटल केसर कान्हा में सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर मंथन किया गया। समाज में महिला उत्थान हेतु महिला संगठन का गठन किया जाकर समाज में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की पहल की गई। इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने कहा कि महिलाएं समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं। समाज में नारी की स्थिति मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा। देश हो या विदेश महिलाएं बड़े पदों पर काम रही हैं। ऐसे में महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ानी चाहिए।

शिक्षाविद् भारती तोंदवाल ने कहा कि समाज में महिलाऐं अभी भी पीछे है, इसलिए गांव हो या शहर महिलाओं की स्थिति मजबूत करने के लिए हर स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। राजनीति में महिलाओं को और अवसर देने होंगे। महिलाएं समाज को आगे ले जाने में सहायक साबित होंगी, इसलिए राजनीतिक दलों को महिलाओं को मौका देना चाहिए।

# संजीव वर्मा सेल्यूट तिरंगा के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

संजीव वर्मा (गुड़ीवाल) जयपुर को सेल्यूट तिरंगा का प्रदेश उपाध्यक्ष, राजस्थान नियुक्त किया गया। सल्यूट तिरंगा एक गैरराजनैतिक राष्ट्रीय संघटन है जो की एक राष्ट्रवादी और मानवता की भावना से प्रेरित है और इसी भावना को भारत के हर नागरिक तक पहुंचाना ही इस संघटन का प्रमुख उदेश्य है। राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन मोहन पालीवाल जी ने बताया की भारत के हर नागरिक चाहे वो किसी भी जाति धर्म का हो तिरंगे के सम्मान और उसके लिए मर मिटना हर भारतीय का धर्म है।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर संजीव वर्मा को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

# सामूहिक विवाह सम्पन्न

**त्रिवेणी धाम :** कुमावत समाज सामूहिक विवाह विकास समिति के तत्वावधान में कुमावत धर्मशाला त्रिवेणी धाम में 9 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह विभिन्न सामाजिक रस्मों के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें अतिथिगणों तथा समाज के गणमान्य लोगों ने वर-वधू को सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। समिति द्वारा वर-वधू को आभूषण, बर्तन, कपड़े तथा अन्य घरेलू उपयोग के उपहार भेंट किए।

**नागौर :** श्री क्षत्रिय कुमावत सामूहिक विवाह एवं विकास समिति द्वारा तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें 7 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। सामूहिक विवाह में संगीत संध्या का भी आयोजन रखा गया तथा विभिन्न वैवाहिक रस्मों के साथ समाज के गणमान्य लोगों ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया। समिति द्वारा पिछले आयोजन पर जिन भामाशाहों द्वारा सहयोग किया गया था उनका सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमन्त घोड़ेला निवासी ब्यावर थे।

**नावां :** 30 मार्च रामनवमी के शुभ अवसर पर श्री कुमावत समाज सुधार व सेवा समिति नावां द्वारा 16 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री देवीलाल दादरवाल ग्राम पंचायत खारया के सरपंच, विशिष्ट अतिथि श्री निर्मल कुमावत विधायक फुलेरा तथा अध्यक्ष जिला परिषद सदस्य बाबूलाल कुमावत पलाड़ा थे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा गणेश जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मांगलिक गीतों के साथ विवाह के विभिन्न रस्में अदा की गई। निर्मल कुमावत द्वारा सामूहिक विवाह की उपयोगिता बताते हुए फिजूल खर्ची पर रोक लगने तथा गरीब परिवार के बच्चों का कम खर्च में विवाह होना बताया। समिति द्वारा वर-वधुओं को आभूषण, बर्तन, कपड़े तथा घरेलू उपयोग के उपहार भेंट किए गए। मंच का संचालन राज्य स्तरीय उद्घोषक प्रभुदयाल पिपलोदा द्वारा किया गया।

## चौथ का बरवाड़ा सवाईमाधोपुर में 5 मई को सामूहिक विवाह होगा

क्षत्रिय कुमावत समाज व धर्मशाला विकास समिति चौथ का बरवाड़ा सवाईमाधोपुर द्वारा प्रथम क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन 5 मई, 2023 को पीपल पूर्णिमा के दिन कुमावत धर्मशाला, चौथ का बरवाड़ा, सवाईमाधोपुर में आयोजित किया जा रहा है। समिति ने इसमें सहयोग करने तथा सम्मिलित होने के लिए समाजजनों से अपील की है।

## नेहा कुमावत को Ph.D की उपाधि प्रदान

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा गांधीनगर में आयोजित दिक्षान्त समारोह में नेहा कुमावत पुत्री श्री ओम प्रकाश एवं रेखा कुमावत जूनवाल को रसायन विज्ञान में डॉक्ट्रेट की उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। इस समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह थे तथा गुजरात की उच्च शिक्षा मंत्री श्री ऋषीकेश पटेल, कुलाधिपति डॉ. हंसमुख अढ़िया, कुलसचिव प्रो.एच.बी. पटेल, कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के वर्ष 2014-15 में बैच में चयनित 15 विद्यार्थियों में से राजस्थान से केवल नेहा का चयन (M.Phil-Ph.D) हुआ था। नेहा ने प्रो. मानसिंह के मार्गदर्शन में रसायन विज्ञान में शोध कार्य किया था।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से नेहा कुमावत को (Ph.D.) की उपाधि से विभूषित होने पर हार्दिक बधाई।

## प्रेम कुमावत, छात्रावास अधीक्षक सम्मानित

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान ने राजकीय अम्बेडकर छात्रावास, फलोदी के श्री प्रेम कुमावत, छात्रावास अधीक्षक को छात्रावास के संचालन एवं प्रबन्ध में उल्लेखनीय एवं सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

श्री प्रेम कुमावत वर्ष 2019 में यहां पदस्थापित हुए। उन्होंने 1 वर्ष में ही छात्रावास में 200 से अधिक पेड़ लगा कर हराभरा कर दिया, भामाशाहों से सहयोग लेकर उनके सुविधाएं जुटाई, पान-गुटके की पीक से सनी दिवारों की सफाई कराई। श्री प्रेम कुमावत का कहना है कि वे अपने परिवार के साथ टपकती छत के नीचे एक कमरे में रहे तथा अभावों व गरीबी के निकट से देखा है। अब कुछ करने की इच्छा शक्ति व मनोबल से यह सब कर रहे हैं।

श्री प्रेम कुमावत को राज्य सरकार की ओर से प्रशंसा पत्र मिलने पर बधाई।

## निशानेबाजी में प्रेक्षा प्रथम

श्रीमाधोपुर। केशवानंद शिक्षण संस्थान भढाढर में आयोजित 66वीं जिला स्तरीय माध्यमिक / उच्च माध्यमिक विद्यालयी छात्र/छात्रा खेलकूद प्रतियोगिता सत्र 2022-23 में श्रीमाधोपुर निवासी छात्रा प्रेक्षा वर्मा (कुमावत) पुत्री विजय वर्मा ( लोरवाडिया) ने निशानेबाजी ओपन लाइट राइफल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 17 से 20 नवम्बर 2022 को हुई जिला स्तरीय प्रतियोगिता में गवर्नमेन्ट गर्ल्स सी. सेकंडरी स्कूल श्रीमाधोपुर की 8वीं कक्षा की छात्रा प्रेक्षा सभी राउंड में आगे रहते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रेक्षा चार बहनों में सबसे बड़ी है। छोटी बहन दीपिका भी स्केटिंग व मीनाक्षी शतरंज की खिलाड़ी है। प्रेक्षा के दादा पूनमचंद लोरवाडिया ने बताया कि उनके दो पुत्र व सात पौत्री है। परिवार की तरफ से इन्हें खेल-कूद क्षेत्र के लिए पूरा प्रोत्साहन दिया जाता है। स्कूल मे भी प्रिंसिपल शिवपाल सिंह शेखावत ने मेडल पहनाकर प्रेक्षा को सम्मानित किया।

# न्यू मॉडर्न एजुकेशन ग्रुप का वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह

न्यू मॉडर्न एजुकेशन ग्रुप द्वारा संचालित सस्थाओं न्यू मॉडर्न सीनियर सैकण्डरी स्कूल, मॉडर्न महिला महाविद्यालय एवं मॉडर्न इंग्लिश स्कूल का वार्षिकोत्सव व पुरस्कार समारोह विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। संस्था के निदेशक देवीलाल दादरवाल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अर्जुनराम मेघवाल केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार एवं अति विशिष्ट अतिथि माननीया अलका गुर्जर राष्ट्रीय सचिव एवं सहप्रभारी भारतीय जनता पार्टी थे। कार्यक्रम की अध्यतक्षता न्यू मॉर्डन एजुकेशन ग्रुप के संस्थापक मोहनलाल दादरवाल ने की। अधितियों का संस्था के प्रबंध निदेशक कमलेश कुमार मदन लाल कुमावत, पंकज शर्मा, सुरेश कुमार बाबुलाल बारवाल, राधेश्याम कुमावत द्वारा साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ महिला महाविद्यालय की छात्राओं प्रिया, उर्मिला, कंचन, मानसी कुमावत के द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुआ। न्यू मॉडर्न उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं कनिका, लक्षिता व प्रियल के द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य लकड़ी की काठी, राजस्थानी कालबेलिया नृत्य 'काल्यो कूद पड़ो मेला में' बोल पर दीपिका, कुमकुम, रितु व अन्य के द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई, इसी क्रम में पुरस्कार वितरण के प्रथम चरण में मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर लैपटाप व टेबलेट वितरण कर सम्मानित किया।

माननीय अर्जुनराम मेघवाल केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य मन्त्री, भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमो को जीवन विकास व संस्कृति संरक्षण का एक श्रेष्ठ माध्यम बताया और कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, आज हम हमारी प्राचीन विरासत व संस्कारों को भूल कर उन्हे केवल औपचारिकता बना दिया है।

कार्यक्रम के दौरान ही **सुकन्या समृद्धि योजना** के विभिन्न चरणों की प्रगति से सम्बन्धित पुस्तिका का विमोचन भी पधारे हुए अतिथियों द्वारा किया गया, ज्ञात हो कि सस्था के निदेशक देवीलाल दादरवाल द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से संचालित मुहिम प्रधानमन्त्री सुकन्या समृद्धि योजना के द्वारा पात्र बालिकाओं के स्वयं के अंशदान द्वारा खाते खुलवाने का कार्य किया जा रहा है, जिसके 13 चरण पूर्ण हो चुके है। कार्यक्रम में कुमावत इंडिया पत्रिका की ट्रस्टी सचिव भारती तोंदवाल व मनोज कुमावत मौजूद रहे।

## 13वां श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं विशाल भजन संध्या 13 मई को

स्वामिनी सेवा संस्थाम के तत्वावधान में श्री श्याम मित्र मंडल, कुमावत कॉलोनी, सोडाला द्वारा 13वां श्री श्याम सुमन वार्षिकोत्सव एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन शनिवार 13 मई 2023 को श्री बंदडेश्वर महादेव मंदिर कुमावत कॉलोनी, अजमेर रोड़, सोडाला, जयपुर पर किया जावेगा।

भजन संध्या में कुमार गिरिराज शरण, अमित नामा, महेश परमार, भारती कुमावत, हरिनारायण शर्मा, राहुल खण्डेलवाल, कैलाश महाराज अपनी प्रस्तुतियों से श्यागम प्रभु को रिझायेगें। अशोक कुमावत, नरेंद्र कुमावत, रमेश कुमावत, सुरेश कुमावत, गोविंद वर्मा, हेमन्त गुप्ता ने बताया कि भजनों के बीच इत्र वर्षा व पुष्पद वर्षा की जावेगी। अखण्ड ज्योत, छप्पन भोग व बाबा का अनुपम श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। भक्तगण इस अनूठे आयोजन में भाग लेकर लाभ उठा सकते हैं।

## माँ वैष्णो देवी की 33वीं विशाल पदयात्रा 27 जून 2023 को

हर वर्ष की भांति माँ वैष्णो देवी पदयात्रा सेवा समिति जयपुर के तत्वावधान में माँ वैष्णो देवी की 33वीं विशाल पदयात्रा 27 जून 2023 को प्रात: 9.00 बजे शिव मंदिर आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर से विशाल कलश यात्रा के साथ रवाना होगी।

संस्थापक नवरतन राजोरिया ने बताया कि यात्रा टोंक फाटक से रवाना होकर टोंक रोड़, लाल कोठी, रामबाग सर्किल, मोती डूंगरी गणेश मंदिर, से दादूदयाल सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल, रामनिवास बाग, न्यू गेट, चौडा रास्ता, ताड़केश्वर मंदिर, बडी चौपड़, सुभाष चौक से आमेर होते हुए कूकस, चुंगी नाके पर गुसाजी के फार्म हाउस पर रात्रि विश्राम करेगी। तत्पश्चात् शाहजंहापुर, रेवाडी, नरवाना ख़ौहरी, संगरूर, लुधियाना, फगवाडा, होशियारपुर, पठानकोट सांभा जम्मू, नगरोटा, दोमेल होते हुए 27 दिन में माँ वैष्णो धाम पहुंचेगी। जो भी भक्तजन इस यात्रा में जाना चाहे वो मुख्य कार्यालय 35, आदर्श बस्ती भगवती चौक, टोंक फाटक जयपुर व मो.नं. 9413561841 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

# गणगौर महोत्सव पुणे में भी आयोजित

जयपुर, उदयपुर, जोधपुर आदि क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा भगवान शिव और पार्वती के प्रेम व विवाह दिवस पर मनाया जाने वाला गणगौर महोत्सव अब न केवल देश के अन्य राज्यों में बल्कि इंग्लैण्ड, अमेरिका आदि देशों में मनाया जाने के समाचार हैं। महाराष्ट्र के पुणे में गणगौर महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें वैवाहिक एवं अवैवाहिक युवतियों ने अपने आदर्श जीवन साथी के लिए इस त्यौहार को 16 दिन तक मनाया। आखिरी दिन 24 मार्च, 2023 को कुमावत क्षत्रिय ज्ञाति मण्डल पुणे द्वारा इसे एक महोत्सव का रूप दिया और महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र धारण कर शोभायात्रा निकालकर माँ पार्वती व ईशर की पूजा-अर्चना की। हमारी सांस्कृतिक धरोहर के रूप में इस त्यौहार को अनेक वर्षों से महिलाएं मनाती आ रही हैं।

## बीएसएफ जवान बनवारी लाल का निधन

पलसाना के बीएसएफ जवान बनवारी लाल का लम्बी बीमारी के बाद अहमदाबाद में निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेट कर पैतृक गांव पलसाना लाया गया। शव के पलसाना पहुंचने पर लोगों ने भारत माता की जय, बनवारीलाल अमर रहे के नारों से आकाश गंजायमान कर दिया। अंतिम विदाई के समय गांव के लोगों ने अश्रुपूर्वक विदाई दी, बीएससफ जवानों ने श्मशान घाट पर सशस्त्र सलामी दी तथा बड़े बेटे विजय ने मुखाग्नी दी। इस अवसर पर सीओ नरेन्द्र कुमार, थानाप्रभारी कैलाश यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## कुचामन की बेटी की घोड़े पर निकाली बिन्दौरी

कुचामनसिटी। सरकारी अध्यापक रमेश चन्द कुमावत ने अपनी तीन बेटियों व एक पुत्र को पढ़ा-लिखाकर पांव पर खड़ा किया। उनमें से हाल ही में एक बेटी चेतना कुमावत के विवाह से पूर्व बैण्ड बाजों के साथ घोड़े पर बिन्दौरी निकाली गई जिसमें सैंकड़ों लोग शामिल हुए तथा कई स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई। इनकी तीनों पुत्रियां सरकारी अध्यापिकाएं हैं व पुत्र एमबीबीएस कर रहा है। अनेक प्रबुद्धजनों ने कुमावत द्वारा किए गए इस नेक कार्य की प्रशंसा की है।

डा.आशुतोष बधानिया (कुमावत) का चयन जूनियर रेजिडेन्ट के पद पर सवाई मानसिंह चिकित्सालय SMS जयपुर में Department of Medicine में होने पर बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें।

### भूल सुधार

जनवरी, 2023 के अंक के पृष्ठ 4 में विशिष्ट संरक्षक श्री यतेन्द्र सिंह की पुत्री अनायरा प्रकाशित हुआ था जिसे कृपया अमायरा पढ़ा जाए तथा पृष्ठ 5 में विशिष्ट संरक्षक श्री प्रारूप कुमावत की बड़ी बहन जोतिषा कुमावत प्रकाशित हुआ था उसे जोषिता पढ़ा जाए।

## रामनवमी जातीय एकता दिवस पर कलश यात्रा

उदयपुर नगर महासभा द्वारा 30 अप्रैल 2023 रामनवमी जातिय एकता दिवस पर श्रीराम कलश शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह यात्रा नारा घाटी से प्रस्थान कर नगर महासभा भवन पहुंची। इस कलश शोभायात्रा में पुलां की नवयुवक मंडल एव नारीशक्ति समिति की एक टीम दोपहर 12.30 बजे पुलां नोहरे से प्रस्थान कर फतहपुरा-सहेलियों की बाड़ी-यूआईटी-दैत्य मगरी-राडाजी बाबाजी होते हुए नारा घाटी मुख्य शोभायात्रा में सम्मिलित हुई।

कार्यक्रम में महाप्रसाद का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में युवा साथियों, वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों ने बड़ी संख्या में श्री राम कलश शोभायात्रा एव महाप्रसाद में भाग लिया।

**मदनगंज-किशनगढ़** में भी कुमावत समाज द्वारा राम नवमी पर भव्य शोभायात्रा निकाली गयी।

## पवन लिंबा कुमावत को दूसरी बार डीजीपी डिस्क अवार्ड

श्रीगंगानगर जिले के होनहार, ईमानदार व स्पष्टवादी कॉन्स्टेबल पवन लिंबा कुमावत को दूसरी बार डीजीपी डिस्क अवार्ड से संभागीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से पवन लिंबा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

## श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति सोडाला, जयपुर के चुनाव 4 जून को

श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति सोडाला, जयपुर की कार्यकारिणी के चुनाव 4 जून, 2023 को कराये जाने की घोषणा की गई है। समिति के आजीवन सदस्य मतदान हेतु फोटो युक्त पहचान पत्र लाने पर मतदान के पात्र होंगे। इस हेतु अस्थाई मतदान सूची 23 अप्रेल को समिति के सूचनापट्ट पर चस्पा होगी जिसमें 28 अप्रेल तक संशोधन कराया जा सकेगा। इसके बाद अन्तिम मतदाता सूची 2 मई, 2023 को प्रकाशित कर चस्पा कर दी जाएगी।

कुमावत समाज में दहेज विरोध की सामाजिक पहल

## शगुन में 1 रुपया लेकर शादी की

**जोबनेर** के समीप ढाणी नागान ग्राम पंचायत निवासी दो बेटियों डॉ. आंची व बेटी संतोष की शादी की गई। डॉ. आंची का विवाह सीकर के सिश्यू गांव के डॉ. पंकज पुत्र पवन कुमार बासनीवाल के साथ हुआ तथा संतोष का विवाह सिवानीया मोड फुलेरा के इंजीनियर कमल पुत्र रामपाल घोड़ेला के साथ सम्पन्न हुआ।

शादी में वर पक्ष तथा दूल्हों ने वधू पक्ष से टीके में लाखों रुपए लेने से इनकार करते हुए केवल 1 रुपए का शगुन स्वीकार कर एक अच्छी मिसाल समाज के समक्ष पेश की। वर पक्ष के इस फैसले की चारों ओर प्रशंसा हो रही है।

**गांव मन्नापुरा, जयपुर।** 6 अप्रेल को मन्नापुरा गांव में ट्विंकल कुमावत पुत्र भगवान सहाय किरोड़ीवाल की शादी मोटा बाबा की ढाणी खेड़ीराम निवासी सुशील कुमावत पुत्र गोपाललाल बालोदिया के साथ सम्पन्न हुई। इस विवाह में क्षेत्रीय विधायक निर्मल कुमावत, डिस्कॉम के एम.डी. आर.एन. कुमावत, एडवोकेट लालचन्द कुमावत, सी.एम. कुमावत आदि गणमान्य लोग सम्मिलित हुए।

इस विवाह में दूल्हे ने शगुन के तौर पर 1 रुपया व नारियल लिया तथा दहेज बंदी का अनोखा संदेश दिया जिसकी सभी लोगों ने प्रशंसा की है।

**बोध कथा**

## 'रामजी जबर्दस्ती भी खिलाते हैं'

अयोध्या धाम में एक सन्त प्रात: 4-5 बजे उठकर 'सीता-राम, सीता-राम' का भजन करते। वहाँ कोई नास्तिक व्यक्ति सोया करता था। उसकी नींद खुल जाती। वह महात्मा पर नाराज होता और कहता **'यह सीता-राम क्या है ?'** उत्तर में महात्मा ने कहा— ये सर्वेश्वर हमारे भगवान हैं, हमारे खाने की व्यवस्था करते हैं, खिलाते हैं... आदि आदि। वह व्यक्ति बोला कि क्या जबर्दस्ती भी खिलाते हैं.... आदि। महात्मा बोले, हाँ। वह व्यक्ति बोला यदि मुझे जबर्दस्ती खिलाएंगे तो मैं तुम्हारा शिष्य बन जाऊँगा। महात्मा ने कहा ठीक है, देख लो। वह व्यक्ति जंगल में जाकर एक बट वृक्ष के गहरे पत्तों की डाल पर छिपकर बैठ गया। सबेरे से बैठा रहा। कोई नहीं आया।

शाम को बनजारों का डेरा अपने पालतू पशुओं के साथ आया। बड़ा वृक्ष देखकर उसकी छाया में भोजन बनाकर खाने की योजना बनाई। सबकी पत्तलों पर भोजन परोसा गया। इतने में कहीं से आवाज आई कि इधर दस्युओं (डाकुओं) का हुजूम आ रहा है। परोसा हुआ भोजन छोड़कर बनजारे भाग निकल गये। उधर से डाकूओं का झुण्ड आया। देखा कि भोजन परोसा हुआ है। सब खाने का सोच ही रहे थे कि इतने में डाकूओं का सरदार बोला ''मत खाओ, क्या पता , कोई जहर मिला गया हो कि खाते ही मर जायेंगे।'' किसी ने कहा यह सब किसने किया, ढूंढो, मार डालो। इधर-उधर कोई नहीं दिखा। फिर पेड़ पर वहीं वह नास्तिक आदमी दिखा, उसे मारने का सोचा। सरदार बोला-अभी मत मारो, इसे नीचे ले आओ। वह नास्तिक आदमी नीचे लाया गया। वह बोला, मुझे मत मारो, मैं आप कहेंगे वहीं करूँगा। सरदार ने कहा—खाना खाओ। वह बोला नहीं। फिर सरदार ने धमकी दी तो उसने खाना खा लिया तथा मरा नहीं। अत: बाद में सारे डाकूओं ने भी खाना खा लिया। सरदार ने उस व्यक्ति से पूछा तो उसने सब बता दिया कि महात्मा ने उससे क्या कहा था और वही हुआ, अब मैं उनका शिष्य बनूँगा। आगे जाकर वह **मलूकदास** महात्मा बना।

**-प्रो. बालकृष्ण कुमावत,** आजाद नगर, उज्जैन

टोंक जिले में स्थित बनस्थली विद्यापीठ के 39 वां दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र द्वारा सुश्री प्रेरणा कुमावत पुत्री श्री विनोद कुमावत (तूणकल्या) (हाल बनस्थली निवासी) को उच्च माध्यमिक (हिंदी साहित्य) में टॉप करने पर गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

**'कुमावत इंडिया' पत्रिका के महिला विशेषांक** की गणमान्य लोगों ने सराहना की है। अधिकांश लोगों ने महिला शक्तियों द्वारा मार्च, 2023 के अंक में अपनी कलम से विभिन्न विषयों पर विचार रखे हैं जो प्रशंसनीय हैं। महिला शक्तियों को यह अवसर देने के लिए विभिन्न महिला संगठनों ने पत्रिका को धन्यवाद दिया है।

# श्री अन्न योजना

मोटे अनाज जिन्हें सुपरफूड भी कहा जाता है, प्राचीन समय से भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन का मुख्य भाग रहे हैं। इनमें मौजूद पोषक तत्वों की प्रचुरता के कारण ही इन्हें सुपरफूड कहा जाता है। श्री योजना के माध्यम से भारत सरकार का लक्ष्य इन मोटे अनाजों को घर घर तक पहुंचा कर देश में मौजूद कुपोषण और भुखमरी को मिटाना है। साथ ही देश में व्यापक स्तर पर मोटे अनाजों का उत्पादन कर वैश्विक स्तर पर निर्यात करके किसानों की आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत करना है।

दुनियाभर में पैदा होने वाले मोटे अनाज में भारत का हिस्सा 41 प्रतिशत तक है।

भारत ने 2022 में 159,332.16 मीट्रिक टन मोटे अनाज का निर्यात किया, **मोटे अनाजों में भारत सबसे ज्यादा बाजरा, रागी, कनेरी, ज्वार और कुट्टू का निर्यात करता है।** श्री अन्न के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र बनाने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय परंपराओं को साझा करने के लिए **हैदराबाद में भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।** दुनियाभर में बाजरा को लोकप्रिय बनाने में भारत सबसे आगे रहा है।

**संसद की कैंटीन** में भी मोटे अनाज से बने व्यंजनों की शुरुआत हुई है। कैंटीन में देश के अलग-अलग इलाकों में प्रसिद्ध मोटे अनाज से बने व्यंजन को खाने की सूची में शामिल किया गया।

इस साल भारत में आयोजित होने वाले **जी-20 कार्यक्रम में** मोटे अनाज से बने पकवानों को विदेश मेहमानों और वर्ल्ड लीडर्स के सामने श्री अन्न के नाम से भी सर्व किया जा सकता है, इससे दुनिया तक परंपरागत भारतीय खाने की ब्रांडिंग होगी तथा इनकी मांग बढ़ेगी।

### श्रीअन्न योजना की भूमिका

केंद्रीय बजट 2022-23 को प्रस्तुत करते हुए वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मोटे अनाजों को **श्रीअन्न** की संज्ञा दी। भारत को मोटे अनाजों के प्रचार प्रसार में अग्रणी देश बताया, भारत श्रीअन्न अर्थात मोटे अनाजों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ (UN) ने भारत के प्रस्ताव पर ही वर्ष **2023 को मोटे अनाज का वर्ष (2023 Year of Millets)** घोषित किया है।

### श्रीअन्न क्या है?

इसमें -ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, कुट्टी आदि को शामिल किया जाता है।

### श्रीअन्न योजना क्या है?

योजना को मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभ किया गया है। भारत में मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को मोटे अनाजों का हब बनाया जाएगा। मोटे अनाज भारत में लंबे समय से बड़े स्तर पर उगाए जाते रहे हैं तथा भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। परंतु हरित क्रांति के आने के बाद गेहूं और चावल के रकबे में व्यापक वृद्धि होने से मोटे अनाजों के उत्पादन और व्यापार का दायरा भी काफी सीमित हो चुका है। श्रीअन्न योजना के माध्यम से सरकार का प्रयास मोटे अनाजों के क्षेत्रफल को पुन: बढ़ाने और व्यापक उत्पादन करने का है।

### मोटे अनाजों की विशेषताएं

- यह अनाज जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल होते हैं अर्थात जलवायु परिवर्तन से कम प्रभावित होते हैं।
- इनके उत्पादन में कम लागत आती है।
- यह पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- कम उर्वर और ऊसर मृदा में भी अच्छा उत्पादन देते हैं।
- कम लागत और कम मेहनत में भी अच्छा उत्पादन देते हैं।
- यह किसानों के मित्र माने जाते हैं।
- भुखमरी और कुपोषण का सबसे अच्छा समाधान है।
- ये अनाज प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीज फास्फोरस, पोटेशियम और विटामिन बी कंपलेक्स जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- यह अनाज ग्लूटीन फ्री होते हैं।
- ग्लाइसेमिक इंडेक्स में लो होते हैं।
- प्रोटीनों, फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।
- डायबिटीज, कैंसर, हाई ब्लड प्रेशर जैसे रोगों से बचाते हैं।
- कोलेस्ट्रॉल घटाने और मोटापा कम करने में मददगार हैं।

### मोटे अनाजों के आर्थिक लाभ

- किसानों की आय बढ़ेगी।
- निर्यात से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।
- रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।
- मोटे अनाज की सप्लाई चेन विकसित होने से ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा।
- स्वरोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम होगी।

### श्री अन्न योजना की कमियां

- किसानों में मोटे अनाजों के संबंध में जागरूकता की भारी कमी है । किसानों को जागरूक करने और मोटे अनाजों के संबंध में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार की सर्वाधिक आवश्यकता है।
- भारत में उर्वरक प्रयोग के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में सही और सटीक जानकारी की भारी कमी है । आज भी लोगों में

उर्वरकों के प्रयोग के प्रति वैज्ञानिक सोच विकसित नहीं हुई है। योजना को इस संबंध में भी ध्यान देना चाहिए।

**किसानों को केंद्र से मिलेगी ये सुविधा**

केंद्र सरकार ने बजट में किसानों के लिए 20 लाख करोड़ रुपये का **कृषि ऋण फंड** बनाया है। इससे किसानों को सीधे ऋण दिया जाएगा। इतना ही नहीं बजट में मोटे अनाज का उत्पादन करने वाले किसानों को खाद पर 50 फीसदी की छूट भी दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

1. **ज्वार :** ग्लूटेन फ्री होता है और प्रोटीन का अच्छा स्रोत है मधुमेह के रोगियों के लिए यह बहुत अच्छा भोजन होता है और उनके लिए पोषण का अच्छा स्रोत भी है।
2. **बाजरा:** बाजरा रागी के बाद सर्वाधिक उपयोग किया जाने वाला मोटा अनाज है यह गर्मियों में ठंडक प्रदान करता है विटामिन बी सिक्स फोलिक एसिड आदि से भरपूर होता है यह खून की कमी अर्थात एनीमिया को कम करने में लाभदायक होता है।
3. **रागी:** रागी कैल्शियम का प्राकृतिक स्रोत है या बढ़ती बच्चों की हड्डियों को मजबूत करने में मददगार होता है मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए उत्तम भोजन का कार्य करता है।
4. **सवां या समां :** यह एक तरह का चावल माना जाता है यह फाइबर और लौहतत्व से भरपूर होता है यह एसिडिटी घटाता है पेट की कब्ज दूर करता है और एनिमिया को भी कम करता है। भारत मैं अधिकांश लोग इसे व्रत के रिहान में प्रयोग करते हैं इसलिए इसे व्रत का चावल भी कहते हैं।
5. **कोदो:** कोदो फाइबररिच मोटा अनाज है। यह घोंघे,पाइल्स, Rosacea जैसी बीमारियों में फायदेमंद होता है।
6. **कुटकी:** कुटकी एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत होता है। इसमें मैग्नीशियम उपस्थित होता है। यह कॉलेस्ट्रॉलमें नियंत्रण करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है।
7. **कुट्टू:** यह अस्थमा के रोगियों के लिए लाभदायक होता है इसमें उपस्थित अमीनो एसिड बालों को झड़ने से बचाते हैं ।

मोटे अनाज को बढ़ावा देने उत्तर प्रदेश सरकार ने वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ धाम में मोटे अनाज से बने लड्डुओं का प्रसाद '**श्री अन्न प्रसादम**' बेचने का फैसला लिया है।

**लहरी बाई** ने गांव-गांव घूमकर बनाया ''श्री अन्न'' का बीज बैंक। बैगा जनजाति से ताल्लुक रखने वाली 26 साल की इस महिला किसान ने पिछले एक दशक में गांव-गांव घूमकर मोटे अनाजों की करीब 60 स्थानीय किस्मों के दुर्लभ बीज जमा करने के बाद इन्हें बढ़ाकर लोगों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया है ताकि इनका स्वाद और पौष्टिकता आने वाली पीढ़ियां तक पहुंचती रहे। वह मोटे अनाजों को ''**ताकत वाले दाने**'' बताती हैं और कहती हैं कि उनके पुरखे मोटे अनाज खाकर ही लम्बा और स्वस्थ जीवन बिताते आए हैं। मोटे अनाजों की स्थानीय किस्में बचाने को लेकर लहरी बाई के जुनून की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ फरवरी को इस आदिवासी महिला पर केंद्रित एक खबर का वीडियो ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा था,''*हमें लहरी बाई पर गर्व है जिन्होंने श्री अन्न (मोटे अनाजों) के प्रति उल्लेखनीय उत्साह दिखाया है। उनके प्रयास कई अन्य लोगों को प्रेरित करेंगे।*''

कृषि वैज्ञानिक **डॉ. मनीषा श्याम** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के डिंडोरी स्थित क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में मोटे अनाजों पर अनुसंधान कर रही हैं।

**नोएडा हाट के सरस आजीविका मेले में** 01 मार्च से 05 मार्च 2023 तक इंटरनेशनल मिल्ट्स ईयर के अवसर पर श्री अन्न महोत्सव मनाया। यहां महिला समूहों के द्वारा 20 प्रकार के लाइव व्यंजन बनाए गए। जिनका लोगों ने स्वाद चखा और व्यंजनों को सराहा। भारत में यह उत्सव पहली बार मनाया जा रहा है। उत्सव का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में मिल्ट्स (मोटा अनाज) के प्रोडेक्ट्स को इस्तेमाल करने की जागरुकता है तथा इन उत्पादों से जुड़ी महिलाओं को उचित मार्केट उपलब्ध कराना भी था।

राजस्थान समेत देशभर में मानक एक सितंबर-2023 से प्रभावी होंगे। अब FSSAI ने खाद्य सुरक्षा और मानक दूसरे संशोधन विनियम-2023 के अंतर्गत 15 तरह के मोटे अनाज बाजरा, रागी, कुट्ट, राजगीरा और ज्वार को शामिल किया है।

सदियों से बाजरा, जौ, ज्वार, मक्का जैसे मोटे अनाज उगाए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन घोषणाओं पर गंभीरता से काम करें तो **राजस्थान में रहने वाले 7.50 करोड़ में से 5.50 करोड़ लोगों की तकदीर बदल सकती है।**

देश में बाजरा उत्पादन में राजस्थान 4,685 टन वार्षिक उत्पादन के हिसाब से पहले नंबर पर है। राजस्थान में 29 फीसदी रकबे की खेती में मोटे अनाज उगाए जा रहे हैं।

जयपुर में 13-14 मार्च, 2023 को मिलेट कान्क्लेव हुआ। सरकार ने **बाड़मेर के गुडामालानी में** ''क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केन्द्र'' खोलने की घोषणा की है। यहां बाजरा व ज्वार की उन्नत किस्मों पर अनुसंधान होगा। इससे राजस्थान के खेतों से निकलकर बाजरा दुनिया भर की भोजन थालियों में पहुंच सकता है।

**5 एफ देता है बाजरा :**

वनस्पति-कृषि वैज्ञानिक **प्रो. एन. एस. राठौड़** (पूर्व कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर, जयपुर) के अनुसार राजस्थान के लिए बाजरा उत्पादन को बढ़ाने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता। हमारे यहां पानी की कमी है। ऐसे में बाजरा ही मुफीद है। बाजरा 5-एफ (फूड-भोजन, फैब्रिक-कपड़ा, फर्टिलाइजर-खाद, फ्यूल-ईंधन, फॉडर-चारा) की जरूरतों को पूरा करने वाला अनाज है। बाजरे का उत्पादन और खपत बढ़ने से पानी की भी बचत होगी और कम जमीन से ज्यादा लोगों की खाद्यान्न जरूरतें पूरी हो सकेंगी।

**- शोभिका कुमावत,** सवाईमाधोपुर

# शादी में केवल 1 रुपया और नारियल का शगुन लिया

## *आशीर्वाद समारोह में प्राप्त राशि बेसहारा व निर्धन बच्चों के उत्थान तथा गरीब बीमार के इलाज के लिए दी*

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की 'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका के व्यवस्था मंडल के वरिष्ठ सहयोगी **श्री लाल चंद जी धुंधारिया के** सुपुत्र चि. नीरज का विवाह सौ.कां. चिंकी (कनिका) सुपुत्री श्रीमती नीरू एवं श्री शांति स्वरूप जी अनावड़िया के साथ 26 जनवरी 2023 को संपन्न हुआ। 29 जनवरी 2023 को आशीर्वाद समारोह एवं प्रीतिभोज का आयोजन किया गया इस आयोजन में समाज के गणमान्य लोग एवं पत्रिका ट्रस्ट के सभी साथियों ने भाग लिया श्री लाल चंद जी ने इस समारोह में सभी से आशीर्वाद रूपी लिफाफे नहीं लेने की प्रार्थना की। कई लोग नहीं माने तो लिफाफे लेने पड़े। आशीर्वाद रूप में करीबन 35000 रुपए प्राप्त हुए। इन्होंने इसका उपयोग बेसहारा और गरीब निर्धन बच्चों की आवासीय शाला **सेवा भारती बाल विद्यालय,** शारदा कॉलोनी, महेश नगर, जयपुर में भोजन एवं उपहार देकर, एक किडनी से गंभीर ग्रसित रोगी को सहयोग राशि और मंदिर में सहयोग राशि देकर समाज के सामने मिसाल कायम की। इसके अतिरिक्त संपूर्ण विवाह में कन्या पक्ष की ओर से **केवल 1 रुपया और नारियल लेकर इस विवाह को संपन्न कराया था। 'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार ने इनकी प्रशंसा की एवं नेक कार्य के लिए धन्यवाद दिया। समाज के सभी लोगों को इनसे प्रेरणा लेकर इस मुहिम को आगे बढ़ाना चाहिए।

# शिवदासपुरा में बेसहारा बच्चों का बाल आश्रम शुरु

दीपामोहन वेल्फेयर ट्रस्ट ने चंदलाई रोड, शिवदासपुरा, जयपुर में बेसहारा बच्चों का बालआश्रम का शुभारम्भ रामनवमी, 30 मार्च को निम्बार्क आश्रम नायला के महंत श्री सर्वेश्वर शरण द्वारा किया गया है। गणेश पूजन व हवन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर पुष्पेन्द्र भारद्वाज कांग्रेस नेता, चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ जयपुर, सीताराम मीणा, विनोद अग्रवाल, अनुराग शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संस्थापक ट्रस्टी श्री मोहन लाल कुमावत व संरक्षक विजय कुमार शर्मा ने बताया कि 4500 वर्ग फिट में 75 लाख रुपए की लागत से इस आश्रम का निर्माण हुआ है तथा इसमें 50 बच्चों को रहने, खाने-पीने व पढाई की व्यवस्था होगी।

इस मानवीय व अनुकरणीय कार्य के लिए दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई। बधाई।

**अथाह इनफोमिडिया प्रा.लि. के डायरेक्टर श्री पुष्पेन्द्र कुमावत आयुष्मान भारत योजना कार्यक्रम के सॉफ्टवेयर की तकनीक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को बताते हुए।**

**श्री राम निवास कुमावत** (PSO मुख्यमंत्री राजस्थान) को आउट ऑफ टर्न गैलेन्ट्री प्रमोशन करके पुलिस उप अधीक्षक (Dy. S.P.) बनाए जाने पर माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा उनके कंधों पर सितारा लगाया जाकर आशीर्वाद दिया गया। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से श्री रामनिवास कुमावत RPS को **हार्दिक बधाई।**

### वाटर लेजर शो: प्रताप गौरव केंद्र में लेजर शो

# पानी पर दिखेगा महाराणा प्रताप का शौर्य

अपनी खूबसूरत झीलों के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध उदयपुर को प्रताप गौरव केंद्र में इस वाटर लेजर शो वाटर लेजर शो की सौगात मिलने जा रही है। अब पर्यटक पानी के पर्दे पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्य, उनकी जीवन गाथा और मेवाड़ के इतिहास के अंशों को देख सकेंगे।

शौर्य की गाथा बताने वाले इस वाटर लेजर शो के तीन शो होंगे। शो की अवधि 25 मिनट है। पहला शो शाम 7:25 बजे, दूसरा शो रात 8:05 बजे और तीसरा शो 8:45 बजे होगा। शो को एक साथ 200 लोग बैठकर देख सकेंगे।

**4 से 5 मीटर ऊंचा होगा पानी का पर्दा, 25-35 मिनट का शो होगा।**

शो की शुरुआत के 5 मिनट आकर्षक लाइटिंग में फव्वारे चलेंगे। इसके बाद प्रताप के बाल्यकाल, राज्याभिषेक, अकबर से युद्ध और चेतक का चित्रण दिखेगा। महाराणा का राज्याभिषेक, हल्दीघाटी युद्ध जैसी घटनाएं भी देखने को मिलेंगी। लेजर शो के दौरान पानी के फव्वारे 4 से 5 मीटर ऊंचाई तक जाएंगे। इसी पर प्रताप के प्रमुख घटनाक्रमों को दर्शाया जाएगा।

7.5 करोड़ रुपये की इस परियोजना में कनाडा से एक आई-एंड प्रोजेक्टर और जर्मनी से 2-डी और 3-डी म्यूजिकल फाउंटेन और लेजर तकनीक के उपकरण आयात किए गए हैं। यह राजस्थान का पहला वाटर लेजर शो है।

राणा प्रताप के जीवन पर प्रताप गौरव केन्द्र का निर्माण यहां हुआ है जिसमें एक ऊँची पहाड़ी पर महाराणा प्रताप की सिंघासन पर बैठी हुई विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की गई है। इसके सामने ही एक संग्रहालय बनाया गया है जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी हुई विभिन्न घटनाओं को लाइट एण्ड साउण्ड के माध्यम से तथा विशाल मूति शिल्प बनाकर बखूबी प्रदर्शित किया गया है।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई, 1540 को कुम्भलगढ़ में हुआ था। इनका राज्याभिषेक गोगुन्दा की पहाड़ियों में हुआ। इस समय मेवाड़ अकबर जैसे शत्रु के कारण उजड़ा हुआ था। राणा प्रताप अत्यन्त वीर एवं पराक्रमी शासक थे। उन्होंने अकबर के भेजे चार दूतों के शांति व अधीनता के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। अन्ततः 18 जून 1576 को हल्दीघाटी का प्रसिद्ध युद्ध हुआ जिसमें अकबर के सेनापति राजा मानसिंह व आसफ खां की विशाल सेना का मुकाबला महाराणा प्रताप की एक छोटी सैन्य टुकड़ी से हुआ। मेवाड़ की सेना के अदभ्य साहस एवं पराक्रम ने मुगलों के छक्के छुड़ा दिए व पीछे हटने को मजबूर किया। वहां की भूमि रक्त रंजीत हो गई थी, आज भी यहां की भूमि का रंग पीला है। इस युद्ध में राणा का प्रिय घोड़े चेतक के पांव में चोट लग गई थी तथा राणा की जान बीधा झाला ने बचाई। चेतक ने घायल अवस्था में भी एक बड़े नाले को पार कर राणा को सुरक्षित पहुंचा दिया। किंतु खेद है कि चेतक ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए इस घटना से राणा को बहुत दु:ख हुआ। धीरे-धीरे महाराणा प्रताप ने मेवाड़ के भामाशाह की 20 लाख अशरफियों एवं 25 लाख रुपए की मदद से सैन्य बल का पुनर्गठन कर कुम्भलगढ़, केलवाड़ा एवं चामण्ड आदि पर अपना आधिपत्य पुन: स्थापित कर लिया था। 19 जनवरी, 1597 को महान यौद्धा महाराणा प्रताप का निधन बाड़ोली में हो गया जहां आज भी इनकी 8 खम्भों पर बनी भव्य छतरी इनकी गौरव गाथा कह रही है।

## राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति ने बनाये जयपुर जिला पदाधिकारी

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति ने जयपुर जिला पदाधिकारियों की घोषणा की है जो निम्न प्रकार है:

**इंजी. पंकज सिरोहिया** को जयपुर जिला प्रभारी उत्तर नियुक्ति किया है। सिरोहिया पूर्व में जयपुर जिलाध्यक्ष पद पर कार्यरत थे। इनके इस कार्यकाल में इन्होने उल्लेखनीय कार्य किये थे।

पंकज सिरोहिया



शंकरलाल कुमावत

**शंकरलाल कुमावत (भुरोदिया)** को जिलाध्यक्ष (जयपुर उत्तर) नियुक्त किया है। ये ओजस्वी सामाजिक कार्यकर्ता है।

इन नियुक्तियों की सूचना मिलते ही कुमावत क्षत्रिय समाज में खुशी की लहर व्याप्त हो गयी तथा इन्हे बधाई देने वालो का तांता लग गया। इन्होंने इस अवसर पर कहा कि वे समाज हित में समिति के कार्यों को आगे बढ़ाते रहेंगे।

**'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर से दोनों पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

## पियूष कुमावत जयपुर जिला मंत्री मनोनीत

**सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.)** जयपुर द्वारा पियूष कुमावत को जयपुर जिला शहर मंत्री नियुक्ति किया गया है। पियूष कुमावत सामाजिक कार्यकर्ता हैं। ये वर्तमान में भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिला मंत्री हैं। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

ओबीसी कांग्रेस राष्ट्रीय संयोजक व हरियाणा पूर्व विधायक श्री रामनिवास घोड़ेला के जयपुर आगमन पर OBC कांग्रेस जयपुर के जिलाध्यक्ष नानूराम कुमावत, सुरेंद्र लाम्बा एडवोकेट (PCC सचिव) आदि गणमान्य लोगो के द्वारा स्वागत किया गया।

उदयपुर। मनीष कुमावत ज्योति शिक्षण संस्थान के प्रशासक द्वारा राजस्थान की यशस्वी पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदरणीय श्रीमती वसुंधरा राजे जी को ज्योतिर्गमय पत्रिका भेंट की गयी। साथ में है श्रीमती दीप्ति किरण माहेश्वरी।

## कुलवंत कुमावत ऑल इंडिया सॉफ्टबाल टीम में चयनित

शिव विधानसभा क्षेत्र, बाड़मेर के कुलवंत कुमावत ऑल इंडिया सॉफ्टबाल टीम में चयनित किये गये है। 5-9 अप्रेल तक पंजाब यूनिवर्सिटी में प्रतियोगिता रखी गयी।

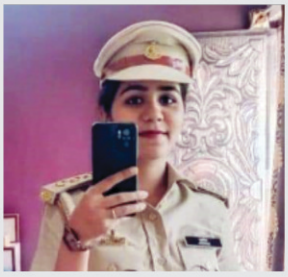

कविता कुमावत पुत्री श्री सुभाष चन्द्र कारगवाल निवासी तातारसर, श्री गंगानगर Customs and GST Inspector बनी बधाई।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के मार्च, 2023 के अंक महिला विशेषांक समाज के निम्न गणमान्य लोगों को भेंट करते हुए :

1. श्रीमती रेनु-श्री चेतन कुमावत
2. डॉ. नमिता भारती
3. श्री मोहन लाल कुमावत, संस्थापक अध्यक्ष दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट

भेंटकर्ता : भारती तोंदवाल, सचिव, कुमावत इंडिया पत्रिका व साथीगण

## श्री हेमचन्द खड़गटा
## एवं
## श्रीमती पुष्पा भौरोंदिया

के **विवाह की 54वीं वर्षगांठ**

21 अप्रेल, 2022 पर

**हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं**

**शुभेच्छु**

पुत्र-पुत्रवधु : मनीष-संगीता, मो. : 9829150971
शेलेन्द्र-पूनम मो. : 7733099141
पुत्री-दामाद : रेखा सिंह-विक्रम सिंह बैथाड़िया
दोहिता-दोहिती : वुरण सिंह, दिविता सिंह बैथाड़िया
पौत्र : तरुण खड़गटा एवं हर्षवर्धन खड़गटा
तथा खड़गटा परिवार, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

**86-ई, गणेश नगर, विजय पथ, तिलक नगर, जयपुर-302004**
**मो. : 9351682036**

**वैवाहिक**

## ऋतु कुमावत

| | | | |
|---|---|---|---|
| जन्म दिनांक | : 13 Aug 1994 | | |
| जन्म का समय | : 8.45 AM | लम्बाई | : 5'1 |
| रंग | : गेंहूआ | | |
| शिक्षा | : •M.com•Preparing for govt service | | |
| पिता | : स्व. श्री नन्छीलाल जी कुमावत | | |
| माता | : श्रीमती गीता कुमावत | | |
| दादा जी | : स्व. श्री मंगल चंद जी खोरानिया | | |
| गौत्र | : स्वयं : खोरानिया | माँ : कारगवाल | |
| | दादी : काम्या | नानी : बालोदिया | |

**Plot no.11, Janakpuri vistar, imliy phatak, Jaipur Mobile - 7877896848**

## श्रीमती सोनिया (सोना)
## एवं
## चैनसुख बड़ीवाल (रोहित)

( आयकर एवं जीएसटी कन्सलटेन्ट )

के विवाह की 17वीं वर्षगांठ

20 अप्रेल, 2023

पर **हार्दिक बधाई !**

**शुभेच्छु**

श्रीमती कृष्णा-सी.एम. कुमावत (ताईजी-ताऊजी)
श्रीमती लाली देवी- स्व. श्री प्रेमचंद बड़ीवाल (माता-पिता)
श्रीमती भंवरी देवी-स्व. श्री भंवरलाल जी मारोठिया- (सास-ससुर)
श्रीमती दीपिका-कैलाश बड़ीवाल, श्रीमती अन्नू-नितेश बड़ीवाल (भ्राता वधू-भ्राता)
किशन लाल, ओम प्रकाश, अशोक मारोठिया (भ्राता सोनिया)
रोहन, हर्ष, गवीन, हर्षिता, नव्या (पुत्र-पुत्री)

**बड़ीवाल टैक्स एण्ड लॉ प्रेक्टिसनर्स प्रा.लि., दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड, दहमीकलां बालाजी, बगरू, जयपुर मो. 9929012957, 9782292982**

# नम्बरों से ज्यादा जरूरी है बच्चों का जीवन

हम बच्चे को एक ऐसी मशीन क्यों बना देना चाहते हैं, जो हमारी आशाओं पर खरी उतरे। वह हर बार बस सबसे अच्छा करे।

एक अंग्रेजी अखबार में छपे कॉलम को पढ़ते हुए एक बच्चे के पूछे सवाल पर ध्यान गया। बच्चे ने कहा था कि मैं आठवीं कक्षा में पढ़ता हूं। पिछले इम्तिहान में मेरे 96 प्रतिशत अंक आए थे, लेकिन माता-पिता खुश नहीं हुए। मैं हर वक्त पढ़ता रहता हूं। न दोस्तों से मिलता हूं, न टीवी देखता हूं। खेलने का समय भी नहीं मिलता। समझ में नहीं आता कि माता-पिता को कैसे खुश करूं? मैं आत्महत्या करना चाहता हूं। एक आठवीं में पढ़ने वाले बच्चे के द्वारा किसी और से पूछा गया यह सवाल हमारे मन में कितने सवाल पैदा करता है? आखिर माता-पिता यह क्यों नहीं समझते कि बच्चे का पढ़ने में मन लगे, इसके लिए उसका हर वक्त पढ़ना नहीं, खेलना, कूदना, मनोरंजन, मित्रों से मिलना-जुलना, सिर्फ उसकी पढ़ाई के लिए ही नहीं, उसके स्वास्थ्य और मानसिक विकास के लिए भी जरूरी है।

फिर यह भी कितना चिंताजनक है कि एक किशोर, जिसकी उम्र शायद तेरह-चौदह साल होगी, वह माता-पिता को नहीं, किसी और को अपनी समस्या बता रहा है। आखिर माता-पिता से उसकी इतनी दूरी क्यों है। क्या उसके पास इतनी आजादी भी नहीं कि वह उन्हें अपनी समस्या बता सके या डांट-डपट का डर इतना है कि किसी से कुछ कह ही नहीं सकता। वह जिस स्कूल में पढ़ता है, वहां भी क्या कोई एक अध्यापक ऐसा नहीं, जो इस बच्चे को समझा सके, ढाढ़स बंधा सके? आखिर हर बच्चा तो सौ में से सौ नंबर नहीं ला सकता। वैसे भी इन दिनों सौ प्रतिशत अंक लाने पर भी बहुत बार जिस कॉलेज में चाहते हैं, वहां दाखिला नहीं मिलता।

हो सकता है, वह बच्चा किसी और क्षेत्र में अच्छा कर सकता हो, लेकिन उसे बताने वाला और हौसला बढ़ाने वाला कोई तो चाहिए। सिर्फ बच्चे का रिपोर्ट कार्ड और नंबर देखकर कोई धारणा बना लेना, बच्चे के लिए बेहद खतरनाक और निराशाजनक है। जब बच्चे किसी से कह नहीं पाते, तो ऐसे ही कदम उठाते हैं, जिसके बारे में इस बच्चे ने कहा। खबरें आती भी हैं, जहां बच्चे इतने निराश हो जाते हैं कि अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं। तब सिवाय पछतावे के क्या हाथ आता है।

आखिर हम बच्चे को एक ऐसी मशीन क्यों बना देना चाहते हैं, जो हमारी आशाओं पर खरी उतरे। वह हर बार बस सबसे अच्छा करे। असली मुसीबत इस सबसे शब्द में ही छिपी हुई है। यदि तीस बच्चों की कक्षा है, तो क्लास में टॉप तो कोई एक बच्चा ही कर सकता है। सभी टॉप करने लगें, तो टॉप करने का महत्व भी खत्म हो जाए।

यों तो स्कूलों में जाने पर स्टोरी टेलिंग के बीच अनेक बच्चों, अध्यापकों और उनके माता-पिता से मुलाकात होती है। उनके पास ढेरों सवाल और समस्याएं भी होती हैं, जिनमें एक बात एक जैसी होती है, बच्चों के अच्छे नबंर और उनके द्वारा किसी अच्छे कॉलेज, संस्थान में दाखिला और उसके बाद किसी बहुराष्ट्रीय कम्पनी में करोड़ों की नौकरी। यही कारण है कि बच्चों पर लगातार सौ में से सौ नंबर लाने का दबाव रहता है। अच्छे नंबरों के लिए स्कूल से अलग, कोचिंग या ट्यूशन भी जैसे हर बच्चे के लिए जरूरी बना दिया गया है। इन जगहों पर जाने पर बच्चे मुस्कराते, स्वागत करते मिलते हैं, लेकिन उनकी उस मुस्कराहट में भी तमाम तरह की चिंताएं झलकती हैं। इतनी छोटी उम्र में बच्चों की चिंताओं, मुस्कराते हुए भी उनके मुर्झाए चेहरों की तरफ हमारा ध्यान क्यों नहीं जाता?

परीक्षा के दिनों में प्राय: सरकार की तरफ से बच्चों के लिए हेल्पलाईन जारी की जाती हैं। यहां काउंसलर्स भी उनकी मदद के लिए होते हैं। लेकिन हर एक बच्चे की पहुंच इन हेल्पलाईन तक नहीं होती। फिर यह भी है कि घर वालों के प्यार-मनुहार, समझाने से बच्चा जितनी जल्दी सीख सकता है, बाहर के किसी सलाहकार से नहीं। माता-पिता से आग्रह है कि बच्चों को समझें, उनसे बातें करें, डांट के बजाय, उनकी समस्या का हल खोजा जा सके, तो शायद ही किसी बच्चे के मन में ऐसे विचार न आएं कि वह अपना जीवन समाप्त करने के बारे में सोचे। अच्छे नंबर अगर जरूरी हैं, तो बच्चे का जीवन उनसे भी ज्यादा जरूरी है। जीवन में अनेक विकल्प मौजूद हैं उनका चयन किया जा सकता है।

**-भारती तोंदवाल,** अध्यापिका

**रसोई से...**

# दाल के दही बडे

दाल के दही बडे खाने में बेहद स्वादिस्ट होते है तथा पाचक वर्धक होने के साथ ही स्वास्थ्य वर्धक भी होते है । इसलिए लोग अक्सर बडे चाव से इन्हें खाना पसन्द करते है।

**सामग्री** - उडद की दाल 100 ग्राम, मूंग की दाल 50 ग्राम, बेसन 30 ग्राम, हरी मिर्च 2, किषमिष 15-20, नमक स्वाद अनुसार, दही 1 किलों, लाल मिर्च स्वाद अनुसार, भूना हुआ जीरा 2-3 चम्मच, अदरक थोडी,

**विधि**- सबसे पहले दालों को साफ करके अलग-2 भिगो दे। भीगी हुई दालों को पीसकर मिला ले और इसमें में बेसन मिलाकर कर अच्छी तरह से फेट ले। इसमें नमक, बारीक कटी हुई अदरक व हरी मिर्च और किशमिश भी मिला लें। अब कडाई में तेल गरम करके, हाथ पर पानी लगाकर बडा बनाकर तल लें। कढाई से बडे निकाल कर हल्के गरम पानी में डाले, थोडी देर बाद नरम होने पर निचोड कर रख लें। दही को अच्छी तरह से फेटे फिर इसमें नमक मिला लें। इसमें बडे भिगोकर प्लेट में रखते जाएं उपर से दही डालकर लाल मिर्च और भूना हुआ जीरा पीसकर डाले, आपके दही बडे तैयार है। इसमें अमचूर या इमली की मिठी चटनी मिलाकर भी इसका स्वाद बढाया जा सकता है।

**-राजबाला कुमावत,** बी.ए. इन होम साइंस, सांगानेर, जयपुर

# सामाजिक रिश्तों में ब्रेकअप

सेलिब्रेटी या फिल्म टी.वी. स्टॉर्स में ब्रेकअप के किस्से हम सुनते रहते हैं। वे फिर से एक भी हो जाते हैं तथा मूव ऑन करने में भी समय नहीं लगाते। पर आप और हम इस श्रेणी में नहीं आते। इससे इनकी देखा-देखी या टीवी सीरियलों की कहानियां की देखादेखी करना हमारी जिन्दगी में व्यवहारिक नहीं है।

हमारे समाज में अधिकांश रिश्ते बड़े ही सोच समझकर हमारे परिवारजन व रिश्तेदार तय करते हैं। वे दोनों परिवारों का सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक स्तर भी परखने का प्रयास करते हैं जिससे रिश्ता निभाने में दोनों पक्षों को दिक्कत नहीं हो। ऐसे रिश्तों में ब्रेकअप की सम्भावना कम होती है। किन्तु जहाँ प्रेम विवाह होता है या लड़के/लड़की की जिद के आगे नतमस्तक होकर रिश्ते तय होते हैं या स्वयं युवक-युवती ही लव मैरिज या कोर्ट मैरिज कर लेते हैं वहां वे एक-दूसरे के स्वभाव, पारिवारिक पृष्ठभूमि आदि से ज्यादा वाकिफ नहीं होते तथा बड़ो की सहमति नहीं ली गई तो उनके अनुभवों का रिश्ते में लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे में सामान्यत: विवाह बाद दोनों परिवार से अलग रहते हैं तो परिवार का अंकुश नहीं होने से रिश्तों में कड़वाहट, संदेह आदि का निवारण नहीं हो पाता। यदि पति अपने माता-पिता के साथ रह भी रहे हों तो उनकी सहमति से विवाह नहीं होने के कारण उनकी समझाईश की गुंजाईश कम ही रहती है। इससे रिश्ते को कौन बचाये?

पहले पत्नी घर पर रहकर घर को सम्भालती थी तथा पति पर निर्भरता होती थी। आजकल शहरी जीवन में पति-पत्नी दोनों नौकरियां/व्यवसाय कर रहे हैं। शाम को थके-हारे घर आते हैं तो खाना बनाना व अन्य काम भी करना होता है जिसमें पति का सहयोग नहीं मिल पाता। उधर साफ-सफाई तथा बच्चों की परवरिश, बच्चों को होमवर्क कराने की जिम्मेदारी भी पत्नी पर आ जाती है। ऐसे में चिड़चिड़ा होना व गुस्सा होना स्वाभाविक है। यदि पत्नी बीमार हो जाये तो मुश्किल और बढ़ जाती है। ऑफिस से पत्नी को लौटने में देरी हो तो पति को ठीक नहीं लगता तथा इसे वह शक की दृष्टि से देखते हैं। शादी के बाद जब पति-पत्नी एक साथ रहते हैं तो वे एक-दूसरे की अच्छी बुरी बातों व आदतों को जानते हैं। इनमें से कुछ बुरी बातों/आदतों को अनदेखा किया जा सकता है किन्तु कुछ को नहीं। यदि समझौता नहीं कर सकते तो ब्रेक-अप हो जाता है। बढ़ते तलाक के मामलों तथा कोर्ट-कचहरियों में **तारीख पे तारीख** के चक्करों में अनेक युवक-युवतियों का यौवन उम्र से पहले ही ढल जाता है तथा वे समाज में मजाक बन कर रह जाते हैं। इससे निराशा बढ़ती है, **आर्थिक कठिनाइयां सहनी होती हैं तथा अनेक मामलों में मेंटल हैल्थ बिगड़ती है तथा अवसाद की ओर बढ़ जाते हैं**। इससे दोनों का हंसता खेलता जीवन अब बोझ लगने लगता है। इससे बचाव ही उपाय है, ऐसे लोगों से दूर रहें जो आपको अपनी गलतियां याद दिलाते हैं तथा नकारात्मक बाते करते हैं। इसके बजाए आप सेल्फ लव, व्यायाम तथा योगा करें। इसके अतिरिक्त ऐसी गतिविधियों में व्यस्त हो जो आपको सकून दे तथा सकारात्मक सोचे।

जब समय मिले तो पुन:र्विचार करें कि हमारी अपनी क्या गलतियां या कमियां रहीं जिससे यह नौबत आयी। क्या आप इनमें सुधार कर सकते हैं, यदि हाँ तो फिर आप स्वयं दृढ़ निश्चय करके अपने पार्टनर से बात करें तथा समझौता, सामंजस्य की स्थिति लायें व अपनी गलतियों की माफी मांगे। सम्भव है दोनों मिलेंगे तो 1-2 मीटिंग में सकारात्मक परिणाम आ जायें और वापस मेक-अप (एक हो) जायें। कोई नहीं चाहेगा की उनकी शादीशुदा जिन्दगी बर्बाद हो। इस हेतु फेमिली फ्रेंड्स की मदद ली जा सकती है। ध्यान दे वैवाहिक रिश्तों में झूठे आरोप लगाकर कोर्ट केस करना आपकी छवि को तो खराब करता है, इससे आत्मग्लानी भी होती है तथा रिश्ते बच पाने की गुंजाईश खत्म को जाती है।

**तलाक का निर्णय तो न्यून से न्यूनतम (रेयर से रेयर) मामलों में लिया जाये जहां समझौते की बिल्कुल भी गुंजाइश नहीं बची हो।** आवश्यक नहीं है कि तलाक बाद आपको आपके अनुकूल जीवन साथी मिल जाये। पर जहां कोई गुंजाइश नहीं बचे वहाँ मूव ऑन कर बढ़ना ही उचित होता है। तब जो भी परिस्थिति हो दोनों पक्ष ब्रेकअप के घाव से उभरें, सकारात्मक सोचें तथा जीवन में आगे बढ़े। क्या मालूम ईश्वर का यही इच्छा हो। **- रमेश गैदर**

# जानकी जानती थी

हिरण जो सोने का मांग बैठी सिया, ना समझना सच में नादां थी।
सकड़ों ऋषियों के तप से जन्म पाने वाली,
धरा को चीर कर अपना अस्तित्व धरा पर लाने वाली।
धरा को चीर कर उसमें समाने वाली,
एक कुशा की ढाल से अपना सतीत्व बचाने वाली।
तज कर विलासिता संग राम के वन को जाने वाली,
लाड़ली जनकसुता राजरानी कष्टी वन वास अपनाने वाली।
विपदा में सहचरी बन राम का साथ निभाने वाली
वैदेही,
एक मृग पर मुग्ध हो विवेकहीन हो जाती है। सम्भव था.... ?
नारी मन की गूढ़ता को, नादानी में छुपी घी मेघा को
ना-समझ तुम कही ना समझ पाए
कि जब तक संग रहेगी सीता, राम पाप ना कर पाऐंगे,
सीता के तप बल से, जग को ना वो तर पाऐंगे।
ना रावण कस वध कर पाऐंगे ना प्रेमी राम संहारक बन पाऐंगे

जानकी जानती थी...
दूर तो रहना ही पड़ेगा, विरह तो सहना ही पड़ेगा,
मनस्वी राम कहलाऐंगे तभी, निर्बुद्धि सीता को बनना ही पड़ेगा।

**- उर्वशी बालोदिया**

# आलस्य के दुष्परिणाम

''दारिद्रय'' और कुछ नहीं मनुष्य के शारीरिक और मानसिक आलस्य का ही प्रतिफल है। जिस वस्तु का समुचित उपयोग नहीं होता वह अपनी विशेषता खो बैठती है। सीलन में पड़े हुए लोहे को जंग लग जाती है और उसी से वह गलता चला जाता है। खूँटे से बँधा हुआ घोड़ा अड़ियल हो जाता है, जिन पक्षियों को उड़ने का अवसर नहीं मिलता वे अन्ततः उड़ने की शक्ति ही खो बैठते हैं। पान के पत्तों की हेराफेरी न की जाय तो जल्दी ही सड़ जाते हैं। यही स्थिति मनुष्य के शरीर की भी है, यदि उसे परिश्रम से वंचित रहना पड़े तो अपनी प्रतिभा, स्फूर्ति एवं प्रगतिशील तेजस्विता ही नहीं खो बैठता प्रत्युत अवसाद ग्रस्त होकर रोगी भी रहने लगता है। जो बैठे रहते हैं, उनकी तोंद निकल आती है, शरीर भारी हो जाता है, चलने-फिरने में कठिनाई होती है, साँस फूलती है, दिल धड़कता है, पेशाब में शक्कर जाने लगती है, पैर भड़कते हैं और सिरदर्द बना रहता है। इतनी व्यथाएँ उन लोगों के पल्ले बँधती है, जिन्हें परिश्रम नहीं करना पड़ता और बैठे-बैठे आलस्य में दिन बिताते हैं।

आराम तलब, मेहनत से बचने वाले लोगों की जीवनी शक्ति क्षीण हो जाती है, सर्दी-गर्मी और बीमारियों से लड़ने की सामर्थ्य चली जाती है। जल्दी-जल्दी जुकाम होता है, सर्दी, खाँसी सताती है, जल्दी लू लगती है, गर्मी का प्रकोप रहता है। कोई छोटी सी भी बीमारी हो जाय तो मुद्दतों जड़ जमाये बैठी रहती है, कीमती दवा-दारू कराने पर भी टलने का नाम नहीं लेती। ऐसा होता इसलिए है कि वह जीवनी शक्ति जो परिश्रम करने वाले में प्रदीप्त रहती है, ऐसे लोगों में मर जाती है और वे किसी छोटे-मोटे आक्रमण तक का सामना कर सकने में असमर्थ हो जाते हैं।

जिन्होंने कठोर श्रम के द्वारा अपनी जीवनी शक्ति को प्रखर और प्रचुर बनाया है वे शरीर पर होने वाले किसी भी बाह्य आक्रमण का प्रतिरोध करते हुए जल्दी ही रोग मुक्त हो जाते हैं। उन्हें अच्छे होते देर नहीं लगती। कोई चोट लग जाय तो जल्दी ही जख्म भर जाता है, सर्दी-गर्मी का प्रकोप एक दो दिन से अधिक नहीं रहता पर जिनमें उस तरह की क्षमता संचित नहीं है, उन्हें थोड़ी-थोड़ी विकृतियाँ मुद्दतों घेरे बैठी रहती हैं।

**- मेघना कुमावत,**
उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा
सिविल लाइन मंडल, जयपुर

नवाचार

## आओ संस्कृत सीखे

| संस्कृत | हिन्दी |
|---|---|
| कति जनाः सन्ति ? | कितने लोग हैं ? |
| पुनः आगच्छतु। | फिर से आइये। |
| अवश्यम् आगच्छामि। | जरूर आउँगा। |
| भवान् कथम् अस्ति ? | आप कैसे हैं ? |
| गृहे सर्वं कुशलम्। | घर में सब कुषल हैं। |
| आम्, सर्वं कुषलम्। | जी हाँ, सब कुषल हैं। |
| भवतः का वार्ता ? | आप का क्या समाचार है ? |
| भवान् एव श्रावयतु। | आप ही सुनाइये। |
| किं मेलनं/बहु विरलं जातम् ? | क्या बात है ? मिलते कम हैं ? |
| आगच्छतु, उपविशतु। | आइये, बैठिये। |
| जलम् आनयामि ? | पानी लाऊँ ? |
| मास्तु/नैव। | नहीं। |
| कथम् आगमनम् अभवत् ? | कैसे आना हुआ ? |
| मार्गः विस्मृतः किम् ? | रास्ता भूल गये क्या ? |
| चायं पिबति किम् ? | चाय पियेगें क्या ? |
| नैव, इदानीमेव पीत्वा आगच्छामि। | नहीं, इस समय पीकर आ रहा हूँ। |
| शैत्यम् अस्ति, स्वल्पं चायं भवेत्। | ठण्डक है, थोड़ी सी चाय चलेगी। |

**व्यवहारिक शब्दावली**

| संस्कृत | हिन्दी |
|---|---|
| छुरिका | छुरी |
| सूचिका | सूई |
| कण्टकः | कांटा |
| अङ्कपेटिका | दराज |
| कटाहः | कड़ाई |
| भुशण्डी | बन्दूक |
| पुत्तलः | गुड्डा |
| पुत्तलिका | गुड्डी |
| सानिका | शहनाई |
| शङ्खः | शंख |
| वातिकूपी | सिलेण्डर |
| चुल्लिः | चूल्हा |
| सिक्ताः | रेत |
| नाणकम् | सिक्का |
| आभूषणम् | आभूषण |
| आणिः | कील |

-**परमेश्वर प्रसाद कुमावत** (राज्य पुरस्कृत शिक्षक), शाहपुरा (भीलवाड़ा) 9829321742

# गायत्री मंत्र : विशेष जानकारी

**ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रयोदयात्।**

| | |
|---|---|
| ॐ—ब्रह्म | भू:—प्राणस्वरूप |
| भुव:—दु:खनाशक | स्व:—सुख स्वरूप |
| तत्—उस | सवितु:—तेजस्वी, प्रकाशवान् |
| वरेण्यं—श्रेष्ठ | भर्गो—पापनाशक |
| देवस्य—दिव्य को, देने वाले को | धीमहि—धारण करें |
| धियो—बुद्धि को | यो—जो |
| न:—हमारी | प्रचोदयात्—प्रेरित करे। |

गायत्री-मंत्र के इस अर्थ पर मनन एवं चिंतन करने से अंत:करण में उन तत्त्वों की वृद्धि होती है, जो मनुष्य को देवत्व की ओर ले जाते हैं। यह भाव बड़े ही शक्तिदायक, उत्साहदायक, सतोगुणी, उन्नायक एवं आत्मबल बढ़ाने वाले हैं। इन भावों का नित्यप्रति कुछ समय मनन करना चाहिए।

गायत्री उस बुद्धि का नाम है, जो अच्छे गुण एवं कल्याणकारी तत्त्वों से भरी होती है। उसकी प्रेरणा से मनुष्य का शरीर और मस्तिष्क ऐसे रास्ते पर चलता है, कि कदम-कदम पर कल्याण के दर्शन होते हैं। हर कदम पर आनंद का संचार होता है। हर क्रिया उसे अधिक पुष्ट, सशक्त और मजबूत बनाती है तथा वह दिनोंदिन अधिकाधिक गुण व शक्तिवान बनता जाता है; जबकि दुर्बुद्धि से उपजे विचार और काम हमारी प्राणशक्ति को दिन-प्रतिदिन कम करते जाते हैं। दुर्बुद्धि से इस अमूल्य जीवन को यों ही गँवा रहे व्यक्तियों के लिए गायत्री एक प्रकाश है, एक सच्चा सहारा है, एक आशापूर्ण संदेश है, जो उनकी सद्बुद्धि को जगाकर इस दलदल से उबारता है, उनके प्राणों की रक्षाकरता है व जीवन में सुख-शांति एवं आनंद का द्वार खोल देता है।

यह परमात्मा की इच्छाशक्ति है, जो मनुष्य में सद्बुद्धि के रूप में प्रकट होकर उसे जीवन को सार्थक एवं सफल बनाती है। आदिशक्ति का साक्षात्कार चौबीस अक्षरों वाले मंत्र के रूप में हुआ, जिसका नाम इसकी प्राण-रक्षक क्षमता के कारण गायत्री पड़ा। इसकी खोज का श्रेय ऋषि विश्वामित्र को जाता है।

ब्रह्मा ने चार वेदों की रचना से पूर्व चौबीस अक्षर वाले गायत्री मंत्र की रचना की। इस एक मंत्र के एक-एक अक्षर में सूक्ष्मतत्त्व समाहित हैं, जिनके पल्लवित होने पर चार वेदों की शाखा-प्रशाखाएँ उद्भूत हो गईं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षरों से इसी प्रकार वैदिक साहित्य के अंग-प्रत्यंगों का प्रादुर्भाव हुआ है। गायत्री सूत्र है तो वैदिक ऋचाएँ उसकी विस्तृत व्याख्या हैं।

गायत्री परमात्मा की वह इच्छा शक्ति है, जिसके कारण सारी सृष्टि चल रही है। छोटे से पराणु से लेकर पूरे विश्व-ब्रह्मांड तक सभी उसी की शक्ति के प्रभाव से गतिशील हैं।

गायत्री मंत्र में 24 अक्षर हैं। इनका संबंध शरीर में स्थित ऐसी 24 ग्रंथियों से है, जो जाग्रत होने पर सद्बुद्धि प्रकाशक शक्तियों को सतेज करती हैं। गायत्री मंत्र के उच्चारण से सूक्ष्मशरीर का सितार 24 स्थानों से झंकार देता है और उससे ऐसी स्वर-लहरी उत्पन्न होती है, जिसका प्रभाव अदृश्य जगत के महत्वपूर्ण तत्वों पर पड़ता है। यह प्रभाव ही गायत्री-साधना के फलों का प्रभाव हेतु है।

ऋषियों ने अनेक प्रकार की साधनाओं का उपदेश दिया है, पर इनमें सर्वोपरि 'तप' की साधना ही है जो गायत्री में है।

तप की अग्नि से आत्मा के मल-विक्षेप और पाप-ताप बहुत शीघ्र भस्म हो जाते हैं तथा आत्मा में एक अपूर्व शक्ति का आविर्भाव होता है। गायत्री उपासना सर्वश्रेष्ठ तपश्चर्या है। उच्च मन: क्षेत्र (सुपरमेंटल) ही ईश्वरीय दिव्यशक्तियों के अवतरण का उपर्युक्त स्थान है।

गायत्री मंत्र सर्वोपरि मंत्र है। इससे बड़ा और कोई मंत्र नहीं। जो काम संसार के किसी अन्य मंत्र से नहीं हो सकता, वह निश्चित रूप से गायत्री मंत्र द्वारा हो सकता है। जिन कार्यों के लिए अन्य किसी मंत्र से सफलता प्राप्त करते हैं, वे सब प्रयोजन गायत्री से पूरे हो सकते हैं।

अभीष्ट फल न भी मिले तो भी गायत्री साधना का श्रम खाली नहीं आता, उससे दूसरे प्रकार के लाभ तो प्राप्त हो ही जाते हैं। उसे अन्य अनेक मार्गों से ऐसे लाभ मिलेंगे, जिनकी आशा बिना साधना के नहीं की जा सकती थी।

गायत्री साधना से साधक में एक सूक्ष्म दैवी चेतना का आविर्भाव होता है।

संसार का सबसे बड़ा लाभ आत्मबल गायत्री साधक को प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त अनेक प्रकार के सांसारिक लाभ भी प्राप्त होते देखे गए हैं। किसी विशेष आपत्ति का निवारण करने एवं किसी आवश्यता की पूर्ति के लिए भी गायत्री-साधना की जाती है। बहुधा इसका परिणाम बड़ा ही आश्चर्यजनक होता है।

**- साभार : गायत्री मंत्र एक महान विज्ञान के अंश**

## 'समाज सेवा के 6 मूल मंत्र'

1. समाज के लिए लड़ो।
2. लड़ नही सकते तो लिखो।
3. लिख नही सकते तो बोलो।
4. बोल नही सकते तो साथ दो।
5. साथ भी नही दे सकते तो जो लिख, बोल और लड़ रहे है, उनका सहयोग करें।
6. ये भी न कर सको तो उनका मनोबल न गिराये। क्योकि वो आपके हिस्से की लड़ाई लड़ रहे है।...

# कुंडली से जानिए शिक्षा और सफलता

शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत हो गया है और बदलते हुए जीवन-मूल्यों के साथ-साथ शिक्षा व्यवसाय से जुड़ गई है! छात्र-छात्राएं व्यवसाय की तैयारी के रूप में ही शिक्षा ग्रहण करते है। उनके लिए व्यवसायिक भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दृष्टि से विषय का चयन करना अत्यन्त समस्यापूर्ण हो गया है। सबसे बड़ी समस्या यही होती है कि कौनसा विषय पढ़ें जिससे भविष्य सुखमय हो और आगे चलकर उनके विषय का चयन आजीविका प्राप्ति मंय सहायक सिद्ध हो सके! आधुनिक समय में बच्चा शिक्षा कुछ पाता है और आगे चलकर व्यवसाय कुछ और होता है! ज्योतिष सिद्धान्तों के आधार पर लिया गया निष्कर्ष विषय एवं व्यवसाय के चयन में उपयोगी सिद्ध हो सकता है । जातक की कुण्डली विषय व केरियर चयन में सहायक होती है । शिक्षा का आंकलन करने के लिए शिक्षा से जुड़े भावों का आंकलन करना आवश्यक है ! कुण्डली के दूसरे, चतुर्थ तथा पंचम भाव से शिक्षा का प्रत्यक्ष रुप में संबंध होता है ! आइए इन भावों का विस्तार से अध्ययन करें-

**द्वितीय भाव-** जन्म कुण्डली का द्वितीय भाव- वाणी, धन संचय, व्यक्ति की मानसिक स्थिति को व्यक्त करता है ! इस भाव को कुटुम्ब भाव भी कहते हैं ! बच्चा पांच वर्ष तक के सभी संस्कार अपने कुटुम्ब से पाता है ! पांच वर्ष तक के संस्कार बच्चे के बाकी जीवन की आधारशिला बनते हैं ! इसलिए दूसरे भाव से परिवार से मिली शिक्षा और संस्कारों का पता चलता है ! इसी भाव से पारीवारिक वातावरण के बारे में भी पता चलता है ! बच्चे की प्रारम्भिक शिक्षा के बारे में इस भाव की मुख्य भूमिका है ! इस प्रकार बच्चे की एकदम से आरंभिक शिक्षा का स्तर तथा संस्कार दूसरे भाव से देखे जाते है ! यदि इस भाव पर पाप ग्रह का प्रभाव हो तो व्यक्ति पारीवारिक शिक्षा और संस्कारों का उपयोग नहीं करता है ।

**चतुर्थ भाव-** चौथा भाव कुण्डली का सुख और मन का भाव भी कहलाता है! स्कूल की पढ़ाई का स्तर और बच्चे का विषय चुनने में मार्गदर्शन इस भाव से देखा जाता है ! चतुर्थ भाव से उस शिक्षा की नींव का आरम्भ माना जाता है, जिस पर भविष्य की आजीविका टिकी होती है! जब भी चतुर्थ भाव का स्वामी छठे, आठवें या बारहवें भाव में गया हो या नीच राशि, अस्त राशि, शत्रुराशि में बैठा हो व चन्द्रमा पीड़ित हो तो शिक्षा में मन नहीं लगता है।

**पंचम भाव-** जन्म कुण्डली का पंचम भाव बुद्धि, ज्ञान, कल्पना, अतिन्द्रिय ज्ञान, रचनात्मक कार्य, याददाश्त व पूर्व जन्म के संचित कर्म को दर्शाता है । पंचम भाव को शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण भाव माना गया है ! इस भाव से मिलने वाली शिक्षा आजीविका में सहयोगी होती है ! वह शिक्षा जो नौकरी करने या व्यवसाय करने के लिए उपयोगी मानी जाती है, उसका विश्लेषण पंचम भाव से किया जाता है! आजीविका के विषय में सही विषयों के चुनाव में यह भाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ! यह शिक्षा के संकाय का स्तर तय करता है।

**शिक्षा प्रदान करने वाले ग्रह-** बुध ग्रह को बुद्धि का कारक ग्रह व गुरु ग्रह को ज्ञान का कारक ग्रह माना गया है ! बच्चे की कुण्डली में बुध तथा गुरु दोनों अच्छी स्थिति में है तब शिक्षा का स्तर भी अच्छा होगा ! इन दोनों ग्रहों का संबंध केन्द्र या त्रिकोण भाव से है तब भी शिक्षा का स्तर अच्छा होगा! शिक्षा के लिए नवाँश कुण्डली का उपयोग अवश्य करना चाहिए!

**अच्छी शैक्षणिक योग्यता के महत्वपूर्ण योग:-**

- द्वितीयेश या बृहस्पति केन्द्र या त्रिकोण में स्थित हो।
- पंचम भाव में बुध की स्थिति अथवा दृष्टि या बृहस्पति और शुक्र की युति हो।
- पंचमेश की पंचम भाव में बृहस्पति या शुक्र के साथ युति हो।
- बृहस्पति, शुक्र और बुध में से कोई केन्द्र या त्रिकोण में हो।

**ग्रहों के शिक्षा सम्बन्धी प्रतिनिधित्व का विवरण-** जिसके आधार पर ग्रहों की उपरोक्त चतुर्थ या पञ्चम भावों में स्थिति को देखकर जातक के लिए उपयुक्त विषय का चयन किया जा सकता हैं । जब इन ग्रहों में से एक या अधिक बली ग्रहों का प्रभाव बच्चे की कुण्डली के चतुर्थ या पञ्चम भाव से होगा तो बच्चे के लिए निम्न क्षेत्रों व विषयों का अध्ययन उनके भविष्य में आजीविका को निर्धारित करने में निर्णायक सिद्ध होगा।

**सूर्य-** आर्टस, चिकित्सा, शरीर विज्ञान, प्राणीशास्त्र, नेत्र-चिकित्सा, राजनीति, जीव विज्ञान, राजभाषा, प्रशासन ।

**चन्द्र-** ट्रेवलिंग व ट्यूरिसम, नर्सिंग, नाविक शिक्षा, वनस्पति विज्ञान, जंतु विज्ञान, पत्रकारिता, पर्यटन, डेयरी विज्ञान, जलदाय, होटल प्रबन्धन, काव्य ।

**मंगल-** जीव विज्ञान, इंजीनियरिंग, कानून, इतिहास, शल्य चिकित्सा, विज्ञान, ड्राइविंग या अन्य तकनीकी शिक्षा, खेल कूद सम्बन्धी प्रशिक्षण, सैनिक शिक्षा, दंत चिकित्सा, पुलिस सम्बन्धी प्रशिक्षण, वायुयान शिक्षा।

**बुध-** गणित,कामर्स, कम्प्यूटर, ज्योतिष, व्याकरण, शासन की विभागीय परीक्षाएं, हस्तरेखा ज्ञान, भाषा विज्ञान, टाइपिंग, तत्व ज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, लेखा ।

**गुरु-** ज्ञान, प्रेरणा व अध्यापन, बीजगणित, दर्शन, मनोविज्ञान, धार्मिक या आध्यात्मिक शिक्षा, आरोग्यशास्त्र, अर्थशास्त्र ।

**शुक्र-** मीडिया, नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला, फैशन डिजायनिंग, काव्य साहित्य एवं मास कम्युनिकेशन !

**शनि-** चिकित्सा, गणित, भूगर्भशास्त्र, सर्वेक्षण, औद्योगिकी, यांत्रिकी, भवन निर्माण, प्रिन्टिंग, तकनीकी क्षेत्र, न्यायालय !

**राहु-** तर्कशास्त्र, हिप्नोटिजम, विष चिकित्सा, इलेक्ट्रोनिक्स, भूत-प्रेत, जादू, सर्कस आदि ।

**केतु-** मंत्र-तंत्र सम्बन्धी ज्ञान व गुप्त विद्याएं !

इन ग्रहों की चतुर्थ या पञ्चम भावों में स्थिति के साथ ही कुण्डली में विद्यमान विभिन्न ग्रहों की युति व दृष्टि सम्बन्ध का भी महत्व होता है। इसलिए किसी भी योग्य ज्योतिर्विद से परामर्श के बाद ही अन्तिम निर्णय पर पहुंचना चाहिए।

**-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।** M.:8058169959

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर

## विशिष्ट संरक्षक

वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर

## ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

15 मार्च श्रीमती ललिता धर्मपत्नी स्व. श्री भंवरलाल जायलवाल, किशनगढ़, शहर
17 मार्च श्रीमती ज्ञानी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भगवान सहाय दम्बीवाल, रेनवाल, जयपुर
18 मार्च श्रीमती जतनी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री टोपीलाल मारोठिया, किशनगढ़, अजमेर
19 मार्च श्री देवेन्द्र बबेरवाल, गोविन्दपुरा, झोटवाड़ा, जयपुर
19 मार्च श्रीमती सरस्वती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मुरलीधर सिरसवा, मलिकपुर, जयपुर
20 मार्च श्री राधेश्याम रेवाड़िया (ठेकेदार), अचरोल, जयपुर
21 मार्च श्री ऋषि कुमार (मुन्ना) राजोरिया, विश्वकर्मा कॉलोनी, शास्त्रीनगर, जयपुर
21 मार्च श्री दिनेश कुमार खुडिया, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
24 मार्च डॉ. जगदीश घोड़ेला (वरिष्ठ शिशु रोड विशेषज्ञ), देवगुढ़ा, जालसू, जयपुर
25 मार्च श्री ललित गमेरिया, मंगलमूर्ति रेजीडेनसी, भुवाणा
26 मार्च श्रीमती रुकमणी (स्याणी बाई) चुरिया, संतोषी नगर, कोटा
26 मार्च श्री सागरमल जी खटोड़ (मण्डावरा) नवलगढ़ रोड़, सीकर
26 मार्च श्री रामस्वरूप राजोरिया, 328, सूर्य नगर, जयपुर
27 मार्च श्री सत्यनारायण बारीवा निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़।
28 मार्च श्री कैलाश माचीवाल, फतेहलाल नगर, मदनगंज-किशनगढ़
28 मार्च श्रीमती इन्द्रा देवी धर्मपत्नी श्री भगवती लाल अजमेरा, नीमच रोड, जावद
31 मार्च श्रीमती लक्ष्मी देवी टांक धर्मपत्नी श्री मोहनलाल टांक पांचखेड़ा, फतेहपुर
31 मार्च श्री कल्याण सहाय अनावड़िया, झोटवाड़ा, जयपुर
2 अप्रेल श्रीमती शांति मालवीया धर्मपत्नी स्व. श्री नृहसिंह मालवीया, जोधपुर
2 अप्रेल श्री अमरचंद आसोला, कुमावत कॉलोनी, बिहारी पोल, किशनगढ़
3 अप्रेल श्री छगन लाल जी एडवोकेट पुत्र स्व. श्री राम चन्द्र जी बसवाल, सांगानेर, जयपुर
10 अप्रेल श्री किशोर जी घोड़ेला पुत्र स्व. श्री नागरमल जी, वीकेआई सीकररोड, जयपुर
12 अप्रेल श्री हरीश कुमावत पुत्र स्व. श्री राम चन्द्र जी सिंघनवाल, उदयपुर
12 अप्रेल श्रीमती रूकमणी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री श्यामलाल सलवाड़िया,उदयपुर
16 अप्रेल श्री सूजीलाल कारगवाल कुन्दनपुरा, पहाड़िया
16 अप्रेल श्रीमती रामेश्वरी देवी (प्रेम देवी) धर्मपत्नी घनश्याम मामोड़िया, जयपुर

# विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

## युवक

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| डॉ. रमेश | IISERB | Seniro Research | 16.4.92 | 5'11'' | कारगवाल | गैदर | बधानिया | राजोरिया | 8952011099 | जयपुर |
| मोहित | MCA | Senior soft Engi. | 12.9.96 | 5'4'' | मारवाल | तोंदवाल | अनावड़िया | दिलीवाल | 9680098328 | जयपुर |
| उमेश | B.Tech. | Business | 22.4.93 | 5'10'' | आसीवाल | तूंदवाल | राजोरिया | किरोड़ीवाल | 9950758681 | जयपुर |
| डॉ. अरुण | MBBS | Doctor | 26.12.93 | 5'10'' | जलान्दरा | धुंधारिया | आईथान | बिरचारिया | 9356328117 | सीकर |
| मयंक | MCA | Data Specialist | 2.10.94 | 5'10'' | जलान्दरा | तोंदवाल | घोड़ेला | उदयवाल | 7891616383 | फुलेरा |
| डॉ. अलकेश | BHMS | Private | 29.7.95 | 5'8'' | सिंघाटिया | तूदगरिया | कारगवाल | बिड़चारिया | 9314162623 | जयपुर |
| अक्षय | M.Tech. (civil) | Self-Employe | 14.9.93 | 5'10'' | देवतवाल | बबेरीवाल | किरोड़ीवाल | मरावण्डिया | 9829099717 | जयपुर |
| गणेश | B.A. | Pvt. | 26.10.95 | 5'9'' | दम्बीवाल | बबेरीवाल | करोड़ीवाल | मारोठिया | 9484416795 | जोबनेर |
| जितेन्द्र | BA. ITI, DTP | Graphic | 15.10.95 | 5'9'' | जलिन्द्रा | साल्डिवाल | कारगवाल | मामोडिया | 9414043651 | जयपुर |
| संजू | B.Com. | SAP Consultant | 9.1.96 | 5'4'' | राजोरिया | होदकास्या | सिरोहिया | तोंदवाल | 9784811266 | जयपुर |
| अमित | B.Sc. (Agri.) | ICICI Bank | 18.4.96 | 5'6'' | गुडीवाल | सारड़ीवाल | तोंदवाल | जलान्दरा | 9462219638 | जयपुर |
| सुरेश | ITI,BA | Pvt. | 4.9.96 | 5'5'' | दंबीवाल | कारगवाल | भूरोदिया | सिरस्वा | 9799641882 | जयपुर |
| सन्नी | Diplom Graphic | Self Business | 24.12.95 | 6'0'' | भैरूण्डिया | कुकड़वाल | मालिया | रेवारिया | 9326130211 | अजमेर |
| राकेश | M.A. | Textile Business | 8.11.96 | 6'0'' | मारोठिया | राहोरिया | मारवाल | – | 9982593738 | जयपुर |
| प्रशान्त | B.Com. | Self Bussiness | 28.9.92 | 6'0'' | कारगवाल | घोड़ेला | जलान्दरा | तूंदवाल | 9887378483 | झुंझुनूं |
| गौरव | IIM,PGPM | Pvt. Ltd. Banglore | 2.12.96 | - | कुण्डलवाल | अनावडिया | जायलवाल | तूंदवाल | 9983360058 | ब्यावर |
| हर्षदीवान | B.Tech. (Civil) | Site Eng. Ashish Group | 15.2.81 | - | कुदाल | घटेलवाल | दम्बीवाल | मामोडिया | 9818108870 | फरीदाबाद |
| निखिल | सिविल इंजीनियर | self | 22.2.95 | 5'11'' | भदानिया | बारावाल | खोरानिया | मामोडिया | 9414288799 | जयपुर |

## युवतियाँ

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| ऋतु | M.Com. | - | 13.8.94 | 5'1'' | खोरानिया | कारगवाल | काम्या | बालोदिया | 7877896848 | जयपुर |
| चारूल | B.Com., CPT | - | 1.5.97 | 5'1'' | कुसुम्बीवाल | कागरवाल | खरकटा | गैदर | 9414788382 | जयपुर |
| उर्वशी | MA,BSTC | Govt Teacher III Grade | 11.10.95 | 5'3'' | चौरासिया | मारवाल | खण्डेरिया | अनावडिया | 9829846080 | जयपुर |
| नीलम | M.Sc. | - | 30.6.95 | 5'3'' | दम्बीवाल | बड़ीवाल | पीपलोदा | मारवाल | 9414638298 | फुलेरा |
| टवींकल | M.C.A., Php | Seo developer | 3.10.92 | 5'3'' | केकट्या | मण्डोलिया | वनावडिया | बैरा | 9461444335 | उदयपुर |
| बबीता | M.A | Teacher in KVS | 11.7.89 | 5'3'' | सिरस्वा | दादरवाल | कारगवाल | गुरी | 8826707219 | झुंझुनूं |
| योगिता(मांगलिक) | M. Com. | - | 27.6.91 | 5'2'' | मारोठिया | राणोलिया | मारवाल | जलान्दरा | 9252989266 | जयपुर |
| CAगरिमा | M.Com., CA | - | 7.6.96 | 5'4'' | धुंधारिया | दम्बीवाल | बड़ानिया | नरानिया | 9461714657 | जयपुर |
| मोनिका | M.Sc (Phy.) | Lecurship | 27.11.93 | 5'1'' | जूनवाल | माचीवाल | भार्या | राजोरिया | 9828690381 | टोंक |
| मोनिका | B.Com.,CS,ICSI | - | 8.10.89 | 5'4'' | बिनवाल | पारमवाल | तूंदवाल | घासोलिया | 9828415271 | कोटा |
| अपेक्षा | B.Sc., BEd | Selected LDC(2018) | 7.2.95 | 5'2'' | मारवाल | कैक्टया | कारगवाल | मारोठिया | 9460709471 | जयपुर |
| अक्षी | B.Sc. | - | 19.9.97 | 5'0'' | नीमीवाल | दादरवाल | लुहानीवाल | किरोड़ीवाल | 9460875449 | जयपुर |
| अवनी(निर्फ) | M.Com. (EAFM) | - | 19.9.97 | 5'5'' | आईथान | भोड्या | जलान्दरा | आसीवाल | 8955099843 | जयपुर |
| आयुषी | P.G. Diploma fashin disign | | 1.8.96 | 5'4'' | जलान्दरा | जालवाल | धुंधारिया | बालोदिया | 8000788131 | जयपुर |
| सोनिया | B.com. Diploma in graphic | | 26.7.97 | 5'2'' | होदकास्या | घोड़ेला | तूंदवाल | जलान्दरा | 9887005416 | जयपुर |
| दिपिका | B.com. | Teacher | 8.4.86 | 5'3'' | मनेठिया | खोरानिया | धुंधारिया | बासनीवाल | 9351405202 | जयपुर |
| चंचल | M.com. | - | 3.1.94 | 5'4'' | गैदर | बारावाल | राजोरिया | मामोड़िया | 9829190386 | जयपुर |

**नोट :** 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

## पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

**समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।**

**-सम्पादक**

### आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

**'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।**

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

**समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।**

### पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज ( माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि ) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

**पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।**

### -: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

### सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

**जयपुर :**

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

## Premiere Institute of Hotel Management

**Puri, Odisha.**

*Affiliated To Utkal University of Culture.*

**Admission Open...**

- Bachelor in Hotel Management ( 60 seat) & Master in Hotel Management (15 seat)
- Course Fees 41500/-..per year
- Hostel Fees- 4500/- per month
- Contact - 8763483627

(Special Offer for SC & ST students...)

For Girls course fee is **15000/-** per year

**PG Diploma in Hotel Management**

*1yr Diploma in Hotel Management*

All course fees... 41500/- per year

( OR 21000/- per semester )

**Web site- www.pihmt.com**

---

**वैवाहिक**

## Harsh Deewan

(Widower)

**Family** : Son 10 Year and Daughter 7' year
**Father's Name** : Ashok Kumar Deewan
**Age/Date of Birth** : 42 Years (15.02.1981)
**Qualification** : B.Tech (Civil)
**Present Occupation**: Site Engineer,(Metro) Hindustan Const. Company
**Salary** : 16 Lakh Approx. per annum
**Permanent Residence**: E-1453, Sector 49, Sainik Colony, Faridabad - Haryana 121001
**Contact No.** : 9818108870, 9968288289
**Gotras** : **Self :** Kudal
**Mother :** Ghatelwal
**Dadi :** Demiwal
**Nani :** Mamodia

---

**Dr. ASHOK KUMAR**
Diploma and M.D. (Acupressure)
Gold Medalist

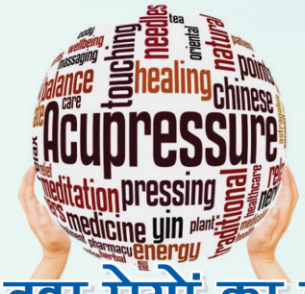


## बिना दवा रोगों का इलाज

**Mob. : 9828117625**

# श्री एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं अनुसन्धान केंद्र

**सिरदर्द/ माइग्रेन, अर्थराइटिस, पैरालाइसिस, कमर/गर्दन/घुटने में दर्द**
**स्लिप डिस्क, साइटिका, कंधे में अकड़न, गैस्ट्रिक प्रॉब्लम्स, उच्च रक्तचाप**
**ब्रॉन्कियल अस्थमा, माहवारी सम्बंधित बीमारियॉ, किडनी सम्बंधित बीमारियॉ**

प्लाट नं. 19, हरीनगर-5, ज्योतिराव फुले गर्ल्स कॉलेज के पीछे,
रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
कल्याणजी का रास्ता, दूसरा चौराहा, चाँदपोल बाजार, जयपुर

श्रद्धांजलि

# श्री विनोद बालोदिया

## द्वितीय पुण्य तिथि

## 13 मई, 2023

श्रद्धान्वत

पत्नी : श्रीमती शशि कला बालोदिया

भ्राता-भ्रातावधू: चेतन-अंजली, चन्द्रप्रकाश-कान्ता, दिनेश-भावना, सतीश, राकेश, मुकेश,

पुत्र-पुत्रवधू : सुनील-रेनू, रवि-रिम्पल, पराग-मीना,

पुत्री-दामाद : ट्वींकल-कमल अनावड़िया, निकिता-विजय कारगवाल,

पौत्र-पौत्री : अंशुल, आशना, आरव, आर्यश,

दोहित्र : शुभम, कृषि, आयरा, श्रीयक्ष, सनाया

एवं समस्त बालोदिया परिवार

एवं समस्त स्टॉफ राज ब्लॉक्स।

**फर्म : राज ब्लॉक्स मो. 9414052736**

बी-81, रोड नं. 4, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर

श्रद्धांजलि

**स्व. श्री आनंदलाल जी कुमावत (रेणीवाल)**

भूतपूर्व भारतीय वायुसेना अधिकारी

जन्म दि. 30.9.1935 प्रभुमिलन दि. 14.4.2021

**स्व. श्रीमती शारदा देवी कुमावत (रेणीवाल)**

जन्म दि. 3.8.1940 प्रभुमिलन दि. 26.4.2020

श्रद्धान्वत

**पुत्र-पुत्र वधू:** डॉ. पी.एम. कुमावत-श्रीमती रेनू कुमावत, डॉ. डी.एम. कुमावत-श्रीमती विनिता कुमावत,

**पौत्र :** डॉ. पर्व कुमावत एवं लविश कुमावत,

**पौत्री-दामाद :** डॉ. पंखुरी कुमावत- डॉ. सुरेश शेनवी एवं डॉ. गिताली कुमावत, **नाती :** प्रथम शेनवी

**बी-21/4, महानन्दा नगर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)**

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

## स्व. श्री भौंरीलाल धुंधारिया

30वीं पुण्यतिथि 7.10.2023

## स्व. श्रीमती भंवरी देवी

24वीं पुण्यतिथि 9.4.2023

श्रद्धावन्त :

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता,
पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला-रूकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शान्ती,
प्रेमनारायण घोड़ेला-इन्दिरा, पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज,
दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी,
कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी
पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता- नरेन्द्र आसीवाल

बी-137 -बी, आनंदपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9413335998
27 शिव विहार, पांच्यावाला, महाराण प्रताप रोड, जयपुर मो. 7219924079

## पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज ( माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि ) की पुण्य तिथि मय मल्टीकलर फोटो 1/6 पेज में एकबारीय शुल्क 500 रुपए अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं।

- सम्पादक

## श्रद्धा सुमन

षष्ठम् पुण्यतिथि 7 मई 2023

24.01.1941-07.05.2017

## स्व. श्री भंवरसिंह वर्मा (भदाणियाँ)

सहायक नगर नियोजक (सेवानिवृत्त) जयपुर

पुत्र स्व. श्रीमती छुट्टन देवी एवं स्व. श्री किस्तूरचन्द भदाणियाँ (उप वास्तुविद)
सुपौत्र स्व. श्रीमती गुलाब देवी एवं स्व. श्री रामसहाय मिस्त्री

*आप हमारे प्रेरणास्त्रोत व मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे हृदय में रहेंगे।*

श्रद्धानवत् श्रीमती भंवरी देवी (पत्नी)
उमराव सिंह-प्रेमलता, अशोक-बीना (भ्राता-भ्रातावधु)
राजसिंह-सुनीता, सज्जनसिंह-तारा (पुत्र-पुत्रवधु)
निखिल (इंजिनियर), अखिल (आर्किटेक्ट), नमन (पौत्र) एवं समस्त भदाणियाँ परिवार

फर्म : राजसिंह वर्मा - 9414238799 • स्वास्तिक डायमण्ड - 9829611108
राज एसोसिएट्स - 9252195252 • ड्रीम हाऊस मेकर्स - 9782649995
पता : 454, सुन्दर का बास, मिश्र राजाजी का रास्ता,जयपुर मो.: 9782996440

प्रथम पुण्यतिथि
21 अप्रेल 2023

## स्व. श्री चन्द्र प्रकाश अजमेरा

वरिष्ठ समाज सेवी, मालवीय नगर, जयपुर
व्यवस्थापक मण्डल सदस्य 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

स्व. 21.04.2022

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु :
गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा
पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

## स्व. श्री सोभागमल जी खड़गटा

( फाउण्डर मिस्त्री राजस्थान विश्वविद्यालय )

30वीं पुण्यतिथि
17 अप्रेल, 2023

स्व. 17.04.1993

स्व. 22.4.2019

## स्व. श्रीमती मधु कुमावत

( धर्मपत्नी सतीश खड़गटा )

चतुर्थ पुण्यतिथि
22 अप्रेल, 2023

श्रद्धावन्त :

पुष्पा-हेमचन्द खड़गटा मो. : 9351682036
खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

**सौजन्य : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट, जयपुर**

# चि. नीरज

## संग

# सौ.का. चिंकी (कनिका)

के शुभ विवाह बसन्त पंचमी, 26 जनवरी, 2023 की

# हार्दिक बधाई

**शुभेच्छु** **वर पक्ष :** श्रीमती विमला-लालचंद धुंधारिया ( **माता-पिता** ), अनिता-सुरेश धुंधारिया ( **चाचा-चाची** ), आदित्य-नेहा, राहुल ( **भैया-भाभी** ), चन्द्रकान्ता-नरेन्द्र जी आसीवाल ( **दीदी-जीजाजी** ), रुकमणी-डॉ. नेमीचंद जी घोड़ेला, शांति-मोहनलाल जी रेणिवाल, इन्दिरा-प्रेमनारायण जी घोड़ेला, रुकमणी-युगल किशोर जी जालवाल, मीरा-रामलाल जी जूनवाल, संतोष-दिनेशजी उजीवाल ( **बुआजी-फुफाजी** ), निर्मला-रामलाल जी जलांधरा, उर्मिला-नंदकिशोर जी भोरोदिया, तारा-कमल जी बालोदिया ( मौसी-मौसाजी ), भगवती-राजेन्द्र जी, विनीता-प्रीतम दयालजी ( **मामी-मामाजी** )

**वधू पक्ष :** श्री मनोहर जी, श्री राजकुमार जी, श्री रमेश जी, बाबूलाल जी ( दादाजी ), श्रीमती नीरू-शांतिस्वरूप जी ( **मम्मी-पापा** ), दिनेश जी, सुरेन्द्र जी, प्रवीण जी, राजेश जी, नवीन जी, रोहित जी, मोहित जी ( **चाचाजी** ), सुरेश जी, महेन्द्र जी, भूदेव जी, राजेश जी, हेमराज जी, राजेश जी, अमित जी ( **फुफाजी** ), गोपालजी-धुमोनिया ( मामाजी ) **कुमावत प्रगति ट्रस्ट के ट्रस्टीगण एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार**

**बी-137 बी, आनन्दपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर-302004**

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

# CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
*All kind of* : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

*Since 1976*

**Speciality :**

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

**Showroom :**
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

**Residence :**
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

# Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service )

All India Equipments Rental Service Provider

**Jai Kishan Kumawat**
+91- 9829125428
+91- 9887011175

**Shankar Lal Kumawat**
+91- 9887227775

**Mukesh Kumar Kumawat**
+91- 9887337775

**H.O.**
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

**B.O.**
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एम. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018